

अत्यवस्था और कीचड़ के बीच में फंसी सीएचसी लालगंज

संवाददाता

लालगंज रायबरेली -स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के दावे भले ही लगातार किए जा रहे हों,लेकिन लालगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) की बदहाल तस्वीर इन दावों की हकीकत बयां कर रही है। बारिश होते ही अस्पताल परिसर तालाब में तब्दील हो जाता है।मुख्य गेट से अस्पताल भवन तक पहुंचने के लिए मरीजों और तीमारदारों को कीचड़ तथा जलमग्न रास्ते से होकर गुजरना पड़ता है।संवेदनशील स्वास्थ्य केंद्र में इस तरह की अव्यवस्था मरीजों की परेशानी को और बढ़ा रही है।सीएचसी परिसर में जगह-जगह समतल जमीन के बजाय गड्ढे बने हुए हैं।बारिश का पानी इन्हीं गड्ढों में जमा होकर आवागमन को मुश्किल बना देता



है।मुख्य गेट से अस्पताल के अंदर तक मरीजों के लिए कोई ऐसा सुगम और सुरक्षित रास्ता नहीं दिखाई देता,जिससे विशेष रूप से गंभीर मरीजों,बुजुर्गों और

गर्भवती महिलाओं को अस्पताल पहुंचाने में परेशानी होती है।बताया जाता है कि परिसर में जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण

बारिश का पानी आसानी से बाहर नहीं निकल पाता।नतीजा यह है कि कुछ समय की बारिश के बाद ही अस्पताल परिसर में जलभराव और कीचड़ की स्थिति बन जाती

है।मरीजों को उपचार के लिए अस्पताल आना पड़ता है,लेकिन अस्पताल तक पहुंचने का रास्ता ही उनके लिए एक नई मुसीबत बन जाता है।सबसे अधिक परेशानी उन मरीजों और तीमारदारों को होती है,जिन्हें वाहन से मुख्य गेट तक आने के बाद अस्पताल भवन तक पैदल जाना पड़ता है।जलभराव के बीच फिसलन और कीचड़ के कारण दुर्घटना का खतरा भी बना रहता है।गर्भवती महिलाओं और गंभीर रूप से बीमार मरीजों को स्ट्रेचर या अन्य साधनों से अंदर ले जाने में भी तीमारदारों को मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।बिडबना यह है कि अस्पताल परिसर जैसी जगह,जहां साफ-सफाई,सुरक्षित आवागमन और बेहतर मूलभूत सुविधाएं प्राथमिकता होनी चाहिए,वहीं बारिश के मौसम में बदहाली साफ नजर आती है।

जिम्मेदारों की नजरों के सामने मरीज और उनके तीमारदार इन दुश्धारियों से जूझ रहे हैं,लेकिन समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में प्रभावी पहल नजर नहीं आ रही है।स्वास्थ्य विभाग की ओर से बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं और मरीजों को सहूलियत देने के दावे किए जाते हैं,लेकिन लालगंज सीएचसी का यह हाल उन दावों पर सवाल खड़े करता है।इलाज के लिए आने वाले मरीजों को अस्पताल की चौखट तक पहुंचने से पहले ही जलभराव,कीचड़ और गड्ढों की परीक्षा से गुजरना पड़ रहा है।अब सवाल यह है कि जब अस्पताल परिसर में मरीजों के सुरक्षित आवागमन तक की व्यवस्था दुरुस्त नहीं है,तो स्वास्थ्य विभाग के बेहतर व्यवस्थाओं के दावे धरातल पर आखिर कितने सच हैं?

जिला वॉलीबाल संघ ने शोक सभा कर मृतक को दी श्रद्धांजलि.



मेजा = विगत दिवस वॉलीबाल क्लब मिश्रपुर के खिलाड़ी जितेंद्र कुमार के पिता जगदीश प्रसाद यादव की अचानक हृदयगति रुक जाने के कारण आकस्मिक मृत्यु हो गई। उनके आकस्मिक मृत्यु की जानकारी होने पर डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन प्रयागराज के पदाधिकारियों एवं वॉलीबाल खिलाड़ियों ने मृतक के आवास पर पहुँचकर सामूहिक रुप से एक शोक सभा आयोजित कर दो मिन्ट का मौन रखकर मृत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की और मृतक की प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्प के साथ श्रद्धांजलि अर्पित की। उक्त अवसर पर एसोसिएशन के संरक्षक श्यामकांत शुक्ला उर्फ लहरी भैया, महासचिव आर.पी.शुक्ला, उपाध्यक्ष के.पी.सिंह, कोषाध्यक्ष के.बी.एल.श्रीवास्तव, प्रभाकर चौबे, टी.एन.सिंह, ग्राम प्रधान अजय कुमार यादव, विवेक शुक्ला, मौजीलाल यादव, ठाकुर प्रसाद, विजय शंकर, चित्तामणि, संतोष कुमार, अवधेश यादव, महेंद्र कुमार व संदीप कुमार आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहें।।

बारिश से प्रभावित किसानों की मदद में जुटी तुलसीपुर चीनी मिल,



तुलसीपुर बलरामपुर ।। जनपद बलरामपुर में विगत दिनों हुई मूसलधार बारिश से प्रभावित किसानों के सहयोग के लिए तुलसीपुर चीनी मिल के अधिकारियों और कर्मचारियों की टीम युद्ध स्तर पर मैदान में उतरकर किसानों का हर संभव सहयोग कर रही है। जल भराव वाले खेतों से पानी को उतरवाने के लिए और गिरि हुए गन्ने की बंधाई के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इकाई प्रमुख आर एस प्रसाद ने 29 सितंबर को बताया कि ऐसे खेतों में जहां वर्षा का जल लग गया है, खेतों में डालने के लिए ब्लीचिंग पाउडर और ट्राइकोडर्मा की निशुल्क व्यवस्था चीनी मिल प्रबंधन ने कराई है। जिस किसी भी किसान को इसकी जरूरत हो, वह अपने क्षेत्र के ट्रश्न और छद्दह से बात करके प्राप्त कर सकते हैं और किसी भी सहयोग तथा सुझाव के लिए चीनी मिल प्रबंधन से संपर्क कर सकते हैं।

गंगा व रामगंगा चेतावनी बिंदु के पार,गर्फा नदी खतरे के निशान पर पहुंची

संवाददाता हरदोई।पहाड़ों पर हो रही लगातार बरसात के चलते बैराजों से पानी छोड़ा जा रहा है।मंगलवार को हरिद्वार से गंगा नदी में 66,024 क्यूसेक तथा नरौरा से गंगा नदी में 1,63,181 क्यूसेक पानी छोड़े जाने की सूचना है। जबकि ड्यूनी डैम, पीलीभीत से गरा नदी में 7,360 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है।बांधो व बैराजों से पानी छोड़े जाने से एक बार फिर जनपद में बाढ़ आने की पूरी संभावना है।मंगलवार की सुबह जिले में गंगा नदी का जलस्तर हरदोई के राजघाट पर 125.490 मीटर दर्ज किया गया, जो खतरे के बिंदु 125.310 मीटर से 18 सेंटीमीटर ऊपर है। वहीं रामगंगा नदी का जलस्तर हुस्नपुर में 137.050 मीटर दर्ज हुआ, जो खतरे के निशान 137.100 मीटर से 50 सेंटीमीटर नीचे है। गरा नदी का जलस्तर सांडी स्थित केंद्रीय जल अयोग (सीडब्ल्यूसी) साइट पर 130.380 मीटर दर्ज किया गया।यहां खतरे का निशान 129.650 पर है।जिससे गरा नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया है।नदियों के जलस्तर और बैराजों से छोड़े जा रहे पानी को देखते हुए तटवर्ती और निचले क्षेत्रों में प्रशासन ने सतर्कता बनाए रखने के निर्देश दिए हैं।और तटवर्ती इलाके के लोगों को एलर्ट कर सभी को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचने के निर्देश दिए गये है।सवायजपुर एसडीएम शिवानी सिंह ने बताया कि लगातार नदियों के तटवर्ती इलाके में राजव्व टीम व बाढ़ राहत चौकियों को एलर्ट कर जलस्तर व आमजन की समस्याओं पर नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं।तटहसील प्रशासन लगातार क्षेत्र का भ्रमण कर लोगों से संवाद कर उनकी समस्यायों से रूबरू होकर हर सम्भव मदद कर रहा है।

गंगा एक्सप्रेसवे पर पलटी डबल डेकर बस, 17 यात्री घायल,दो की हालत गंभीर

संवाददाता हरदोई। दिक्षी से लखनऊ जा रही डबल डेकर बस मंगलवार तड़के करीब 4:30 बजे गंगा एक्सप्रेसवे पर बिलग्राम क्षेत्र में 329 कट के पास अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे के बाद बस में सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला और घायलों को उपचार के लिए सीएचसी बिलग्राम भेजा। हादसे में कुल 17 यात्री घायल हुए हैं। घायलों में मयंक, अमरेश पांडेय, सुधा पांडेय, ममता शर्मा, नैना शर्मा, निष्ठा, आरती, कविता, राहुल, कुशल, सुमित शर्मा, तुषार श्रीवास्तव, अभिषेक, अपूर्व श्रीवास्तव, राम सिंह, विवेक और अन्नू शामिल हैं।सीएचसी बिलग्राम में चिकित्सकों ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया। चिकित्सकों के अनुसार राम सिंह और विवेक कुमार की हालत गंभीर होने पर उन्हें बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया है। अन्य घायलों का उपचार सीएचसी में चल रहा है। हादसे की सूचना मिलने पर घायलों के परिजन भी अस्पताल पहुंचने लगे।पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बस को सड़क किनारे करवाकर यातायात व्यवस्था सुचारू कराई। प्रारंभिक जांच में बस के अनियंत्रित होने को हादसे की वजह बताया जा रहा है। हालांकि दुर्घटना के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद होगी। पुलिस चालक और यात्रियों से पूछताछ कर रही है।



गुरुकुल ग्रुप इंस्टीट्यूशन पुरासी में ऋषि विद्या कृषि विद्या कार्यक्रम का हुआ आयोजन

महराजगंज , रायबरेली महाराजगंज क्षेत्र के पुरासी गांव स्थित गुरुकुल ग्रुप



इंस्टीट्यूशन में आज सोमवार को ऋषि विद्या कृषि विद्या का एक प्रभावी कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें सभी छात्रों को जीवन को निरोगी बनाने की और प्रकृति से जुड़े रहने की क्रिया का ज्ञान डॉ सत्य नारायण जी द्वारा प्रदान किया गया थे ऐसी क्रिया थी जिसके लिए उपस्थित 100 अभिभावकों ने भी उसको स्वतः अपनाया संस्थान की उपाध्यक्ष श्री मती पूजा मिश्रा मिश्रा जी ने प्रतीक चिन्ह देकर आये हुए अतिथियों का आभार व्यक्त किया गुरुकुल पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्य श्री मती बेबी सिंह ने सभी का बहुत बहुत आभार व्यक्त किया छ कार्यक्रम के समापन में सभी छात्रों को अंकुरित चना,मूंग,मूंगफली और केला का पौष्टिक आहार वितरित हुआ और सभी छात्र योग का ज्ञान प्राप्त करके घर गए छ कार्यक्रम में गुरुकुल महाविद्यालय के प्रवक्ता अरुण जी,निधि सिंह, आकांक्षा शुक्ला, गुरुकुल पब्लिक स्कूल से महेश प्रताप,हरिनाम, शक्ति श्रीवास्तव,हर्षिका सिंह,अंजली,अर्चना सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता सरवन चौधरी, सतीष वर्मा,आदि मौजूद रहे

जमीनी विवाद में घायल युवक की मौत, गांव में पुलिस तैनात

लालगंज (रायबरेली)- *कोतवाली क्षेत्र के खानपुर खपुरा गांव में जमीनी विवाद में हुई मारपीट में घायल युवक की सोमवार रात इलाज के दौरान मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। गांव में तनाव को देखते हुए पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस ने शव के पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है। गांव में 21 सितंबर को जमीन के विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट हुई थी। इसमें दोनों पक्षों के 16 लोग घायल हुए थे। एक पक्ष के राजेंद्र यादव (35) समेत अन्य घायलों को जिला अस्पताल भेजा गया था। हालत गंभीर होने पर राजेंद्र को एम्स रेफर किया गया था। सोमवार



रात इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। राजेंद्र तीन भाइयों में दूसरे नंबर के थे। वह मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करते थे। उनकी मौत से पत्नी गुड्डी, बेटे आर्यन (10) और बेटी आराध्या (3) का ये-रोकर बुरा हाल है। परिजनों का आरोप है कि विवादित जमीन पर कब्जे को लेकर दूसरे पक्ष के लोग पहुंचे थे। विरोध करने पर लाठी डंडों और कुल्हाड़ी से हमला किया गया। इसमें राजेंद्र समेत कई लोग घायल हुए थे। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि शिकायत के बावजूद उनकी ओर से केस दर्ज नहीं किया गया।

बीईओ ने की हरपालपुर में शिक्षकों की समीक्षा बैठक, ‘ज्ञानोदय’ पत्रिका का किया विमोचन

संवाददाता

हरदोई।विकास खंड हरपालपुर में प्रभारी अध्यापकों एवं प्रधानाध्यापकों की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विद्यालयों में संचालित शैक्षिक एवं अन्य गतिविधियों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी डॉ. सुनील कुमार सिंह द्वारा अपने प्रोजेक्ट ‘ज्ञानोदय’ के अंतर्गत तैयार की गई मासिक पत्रिका का विमोचन किया गया। पत्रिका के माध्यम से विद्यार्थियों को नई एवं उपयोगी जानकारीयों से निरंतर अपडेट रखने के साथ विद्यालयों में संचालित विभिन्न गतिविधियों के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है।बैठक के दौरान विद्यालय स्तर पर सामने आ रही विभिन्न समस्याओं एवं रुकावटों पर भी चर्चा की गई तथा उनके समाधान के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। यह पहल विद्यालयों में बेहतर शैक्षिक वातावरण और प्रभावी कार्यप्रणाली को बढ़ावा देने की दिशा में उपयोगी प्रयास है।इस अवसर पर दुर्गेश बाबू,कृष्ण कुमार,एआरपी कुलदीप द्विवेदी,विमलेश सिंह,सौरभ यादव,अमित मिश्रा ,पुष्पेंद्र सिंह ,सूर्यकांत सहित तमाम शिक्षक मौजूद रहे।

प्रभारी मंत्री ने तहसील बिलग्राम क्षेत्रांतर्गत बाढ़ प्रभावित स्थलों का किया निरीक्षण



संवाददाता ?हरदोई।आसीम अरुण, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), समाज कल्याण एवं जनपद के प्रभारी मंत्री ने मंगलवार को बिलग्राम एवं निकटवर्ती बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जलभराव, आवागमन तथा राहत

एवं बचाव कार्यों की स्थिति की जानकारी ली। प्रभारी मंत्री ने बाढ़ निगरानी कक्ष राजघाट का भी निरीक्षण किया। ? ?प्रभारी मंत्री ने संबंधित अधिकारियों से बाढ़ की स्थिति एवं प्रभावित लोगों को उपलब्ध कराई जा रही राहत सामग्री एवं अन्य सुविधाओं के संबंध में जानकारी

प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि बाढ़ प्रभावित लोगों को आवश्यक सुविधाएं समय से उपलब्ध कराई जाएं तथा राहत एवं बचाव कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। ?उन्होंने अधिकारियों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी बनाए रखने तथा आवश्यकता के

विद्यालयीय स्टेट वॉलीबाल के बालक वर्ग में सहारनपुर, लखनऊ और गोरखपुर का दबदबा.



प्रयागराज - खेल,जोश और रोमांच से भरपूर मुकाबलों के बाद 70वीं राज्य स्तरीय विद्यालयीय बालक व बालिका वॉलीबाल प्रतियोगिता का भव्य समापन समारोह सोमवार देर रात्रि को सीएबी इंटर कॉलेज मैदान पर संपन्न हुआ। प्रदेश के विभिन्न मंडलों से आए बालक एवं बालिका खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार खेल कौशल, अनुशासन और जुझारूपन का प्रदर्शन किया। अंतिम दिन मैदान पर खिलाड़ियों का उत्साह देखते ही बना। समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि अपर शिक्षा निदेशक माध्यमिक कामता राम पाल एवं

विशिष्ट अतिथि संयुक्त शिक्षा निदेशक आर.एन. विश्वकर्मा व जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ.संतोष कुमार राय ने फाइनल मैच के दौरान खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करने के उपरांत विजेता एवं उपविजेता टीमों के खिलाड़ियों को ट्रॉफी, मेडल एवं प्रमाण-पत्र प्रदान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। जिला क्रीड़ा सचिव बृजेश श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों का बुके भेंटकर स्वागत किया। समापन समारोह के अवसर पर विभिन्न विद्यालयों की छात्र-छात्राओं ने आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शकों की खूब

तालियां बटोरीं। खेल के रोमांच के बीच सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समारोह में रंग भर दिया। खिलाड़ियों और दर्शकों ने उत्साह के साथ कार्यक्रम का आनंद लिया। प्रतियोगिता के दौरान उत्तर प्रदेश की विद्यालयीय वॉलीबाल टीम का चयन भी विभिन्न आयु वर्ग में राज्य क्रीड़ा संस्थान द्वारा नामित चयनकर्ताओं द्वारा किया गया। प्रयागराज के डीआईओएस डॉ.संतोष कुमार राय ने अतिथियों, खिलाड़ियों,शिक्षकों एवं आयोजन से जुड़े सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। उक्त अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रयागराज अनिल कुमार, सह जिला विद्यालय निरीक्षक अजय कुमार गिरी, जितेंद्र प्रताप सिंह एवं नीरज केसरी सहित अनेक अधिकारी एवं अन्य गणमान्य लोग मंचासीन रहे। प्रधानाचार्य की ओर से मो.रफीक, मेजर के.के. प्रसाद, सिस्टर मेरी बिसला, नीलम मिश्रा, कंचन राय सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। प्रतियोगिता का संचालन प्रभाकर त्रिपाठी एवं उमेश खरे ने किया। वहीं के.पी.इंटर कॉलेज के खेल मैदान पर चल रहे अंडर-14 बालक व

बालिका वर्ग के सेमीफाइनल व फाइनल मैच के दौरान मेजबान कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ.योगेंद्र सिंह तथा जिला वॉलीबाल संघ एवं जिला ओलिंपिक संघ,प्रयागराज के महासचिव आर.पी.शुक्ला ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। मेजबान विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. योगेंद्र सिंह व क्रीड़ा प्रभारी उमेश खरे के द्वारा जिला वॉलीबाल संघ,प्रयागराज के महासचिव आर.पी.शुक्ला को प्रतियोगिता के दौरान अंग वस्त्र एवं स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया गया। समारोह में मंडलीय क्रीड़ा सचिव राजकुमार, धर्मेन्द्र सिंह राठौड़, सोनू, बृजेश सिंह, राकेश, अरुण कुमार पांडेय, बीपन राय, सुरेश सिंह, आनंद सोनकर, अली अहमद खान, बुलंद प्रताप राय, राकेश श्रीवास्तव, आकांक्षा केसरी, अनिल सिंह, मुकेश सिंह, अश्विनी यादव, वीरेंद्र कुमार, बृजेश खरे, इरशाद अहमद, मुकेश शुक्ला, सरिता यादव, डॉ.अनूप श्रीवास्तव, सोनिका गुप्ता, डॉ.अंजना सिंह, रविशंकर, पवन सिंह एवं आलोक विश्वकर्मा समेत बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे।

जीनियस पब्लिक स्कूल में आयोजित चित्रकला व भाषण प्रतियोगिता में बच्चों ने जीते पुरस्कार



में पहुंचे क्षेत्रीय विधायक माधवेंद्र प्रताप सिंह रानू ने विजेता बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया और उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से विधायक प्रतिनिधि रजनीश त्रिपाठी, ब्लॉक प्रमुख अनोखेला कश्यप, प्रधानाचार्य परिषद के अध्यक्ष डॉ. राजेश तिवारी, भूपेंद्र सिंह चौहान,प्रधानाचार्य गजेन्द्र सिंह, प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष सरोज भदोरिया,प्रधानाचार्य बृजेश सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष कमलेश पाल,अमित यादव आदि लोग मौजूद रहे हैं।

सीट बंटवारे का पार्टी नेतृत्व करेगा फैसला, संगठन मजबूत करना हमारा काम – अजय राय

संवाददाता

लखनऊ,। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कांग्रेस के विरोध-प्रदर्शन, कार्यकर्ताओं पर दर्ज मुकदमों, संभल हिंसा मामले, इंडिया ब्लॉक की प्रस्तावित बैठक और 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर पार्टी का पक्ष रखा। उन्होंने समाजवादी पार्टी के साथ सीट बंटवारे को लेकर कहा कि इसका फैसला कांग्रेस का राष्ट्रीय नेतृत्व करेगा, जबकि प्रदेश संगठन का काम सभी जिलों और विधानसभा क्षेत्रों में पार्टी को मजबूत करना है। कांग्रेस के प्रदर्शन के बाद बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं पर



मुकदमे दर्ज होने और आगरा में ज्ञानेश कुमार के घर के बाहर कथित तौर पर आपत्तिजनक शब्द लिखे जाने के मामले पर अजय राय ने सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को खत्म करने की कोशिश करने वालों के लिए लोग

सवाल उठाएंगे। आगरा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर नौ मुकदमे दर्ज किए गए और कई गंभीर धाराएं लगाई गई हैं। जिन लोगों पर कार्रवाई हुई है, उनके घर में घुसने का कोई प्रमाण या सीसीटीवी फुटेज है तो उसे सामने लाया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप

लगाया कि कार्रवाई जानबूझकर प्रताड़ित करने के लिए की जा रही है। लेकिन, कांग्रेस के कार्यकर्ता मुकदमों से डरने वाले नहीं हैं और लोकतंत्र के मुद्दे पर उनका संघर्ष जारी रहेगा। संभल मामले में अदालत की कार्रवाई का उल्लेख करते हुए अजय राय ने उत्तर प्रदेश सरकार पर मुसलमानों को कथित तौर पर निशाना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने संभल के अलावा मुरादाबाद की मुस्तफा मस्जिद, सहारनपुर की मस्जिद और कुशीनगर के हाट्य की मस्जिद सहित कई मामलों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हिंदू-मुसलमान के नाम पर राजनीति की जा रही है। हिंदू, मुसलमान, सिख, ईसाई, बौद्ध और जैन सभी समुदाय के लोग इस

राजनीति को समझ चुके हैं। उन्होंने संबंधित न्यायिक फैसलों का स्वागत करते हुए कहा कि इससे प्रदेश की जनता में जागरूकता बढ़ी है। प्रस्तावित इंडिया ब्लॉक की बैठक को महत्वपूर्ण बताते हुए अजय राय ने कहा कि बैठक में देश और उत्तर प्रदेश से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा होगी और महत्वपूर्ण फैसले लिए जा सकते हैं। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, केसी वेणुगोपाल समेत अन्य वरिष्ठ नेताओं और विपक्षी दलों के नेताओं की मौजूदगी की बात कही। वहीं, अखिलेश यादव की बैठक में गैर-मौजूदगी को सीट बंटवारे से जोड़कर लगाए जा रहे कयासों पर उन्होंने कहा कि सीटों का फैसला सहयोगी दल

आपस में और अपने नेतृत्व के स्तर पर करेंगे। उन्होंने सवाल किया कि सत्ता पक्ष को इस विषय को लेकर परेशानी क्यों हो रही है। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस और सपा की तैयारियों के बीच सीट बंटवारे की चर्चाओं पर अजय राय ने कहा कि कितनी सीटों पर चुनाव लड़ना है, इसका फैसला राष्ट्रीय नेतृत्व करेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश कांग्रेस का मुख्य उद्देश्य संगठन को मजबूत करना है। कांग्रेस प्रदेश के सभी 75 जिलों और 403 विधानसभा क्षेत्रों में संगठन को मजबूत करने पर काम कर रही है। अक्टूबर का महीना महत्वपूर्ण रहेगा और इस दौरान कई चीजें स्पष्ट हो सकती हैं।



लखनऊ । उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने 68,500 शिक्षक भर्ती के कैंडिडेट्स से बातचीत और भगवान राम के दर्शन पर अखिलेश यादव की टिप्पणी को लेकर प्रतिक्रिया दी है। आईएनएस से बातचीत करते हुए भगवान राम के दर्शन को लेकर अखिलेश यादव के बयान पर ओमप्रकाश राजभर ने कहा, +भगवान राम अखिलेश को इस जन्म में तो नहीं बुलाएंगे। अखिलेश अगले जन्म में अयोध्या जाएंगे। अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म %एक्स% पर पोस्ट में ओमप्रकाश राजभर ने लिखा, +-अखिलेश जी! सुना है आपके समाजवादी पार्टी दफ्तर में चच्चू शिवपाल यादव और भाई धर्मेद्र यादव को घुसने के लिए आपकी परमिशन चाहिए। आप हरी झंडी देंगे, तभी एट्री मिलेगी! जिस शिवपाल यादव ने मुलायम सिंह यादव के साथ गांव-गांव घूमकर समाजवादी पार्टी को सींचा, संगठन खड़ा करने में जिंदगी लगा दी, आज उसी चच्चू को पार्टी दफ्तर जाने के लिए भतीजे की हरी झंडी का इंतजार करना पड़ रहा है।+ ओम प्रकाश राजभर ने आगे लिखा, +धर्मेद्र यादव का भी यही हाल है। अगर परिवारवालों का ये हाल है तो सोचिए बाकी नेताओं की स्थिति क्या होगी। चच्चू से राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं लेकिन पार्टी खड़ी करने में उनका भी पसीना लगा है। तस्स इस बात पर आता है कि चच्चू को बुढ़ापे में ये सब देखना पड़ रहा है। खैर, ऊपरवाला सब देख रहा है। वही मान-स्वभिमान का न्याय करेगा।+ आईएनएस से ओम प्रकाश राजभर ने कहा, +-68500 शिक्षक अभ्यर्थियों से बात की। इस भर्ती में अधिकारियों की वजह से कुछ गड़बड़ी हुई है। अभ्यर्थियों ने मुझसे चार बार मुलाकात की और चारों बार कार्रवाई की गई। अंतिम निर्णय को लेकर माध्यमिक शिक्षा मंत्री और बेसिक शिक्षा मंत्री और दोनों विभागों के अधिकारियों ने बैठकर बातचीत की। बाद में यह निर्णय निर्णय लिया गया कि 7 वर्ष समय बीत चुका है, इस पर मुख्यमंत्री ही निर्णय करेंगे। हमने इन अभ्यर्थियों से कहा है कि पेपर उपलब्ध करा दो। मुख्यमंत्री से मिलकर हम लोग इस पर बात करेंगे।+ भगवान राम और भगवान शिव को लेकर रेवंत रेड्डी की ओर से दिए गए बयान पर ओम प्रकाश राजभर ने कहा, +इस देश में 26 भगवान पैदा हुए हैं। समय-समय पर सबकी पूजा होती है। आप देखते हैं कांवड़ यात्रा। जल किसको चढ़ाता है? शंकर भगवान को। यह शायद उनको पता नहीं है। जब जन्माष्टमी आती है, कृष्ण भगवान की पूजा होती है। रामनवमी आती है तो भगवान राम की पूजा होती है। देश में समय-समय पर सभी देवी-देवताओं की पूजा की जाती है। उनका कथन गलत है।+ मौनपम योगी की ओर से सपा को गिरफ्त बोलने पर ओम प्रकाश राजभर ने कहा, +निश्चित ही सही कहा है कि यह लोग समय-समय पर अपना रंग बदलते रहते हैं। इनको देखकर गिरफ्त भी शर्मा जाएगा। शर्म के मारे वह भी अपनी आंख बंद कर लेगा। अखिलेश यादव को पता है कि हम जीत नहीं रहे हैं। ये सब झूठ बोलने के ठेकेदार हैं।+ मायावती के %चंद्रशेखर ने धांधली से नगीना चुनाव जीता% वाला बयान पर ओम प्रकाश राजभर ने कहा, +देखिए कांग्रेस का पचाा खारिज हुआ, तो सपा और कांग्रेस ने चंद्रशेखर का समर्थन कर दिया और जीतने का यही कारण है। अब उसको चाहे जो कुछ भी कोई कह सकता है।+ सीईसी के इस्तीफे के सवाल पर ओम प्रकाश राजभर ने कहा, +सीईसी को इस्तीफा क्यों देना चाहिए, एसआईआर तो नया हुआ नहीं है। 1952 से समय-समय पर एसआईआर किया गया। एसआईआर के माध्यम से मृतकों का नाम मतदाता सूची से हटाया जा रहा है। विपक्ष को भय है कि मृतकों का नाम मतदाता सूची से हट गया तो फर्जी मतदान नहीं हो पाएगा। हमारे विधानसभा में 16 हजार मृतक और 23 हजार शिफटेड वोट पाए गए। विपक्ष की ओर से लगाया गया आरोप निराधार है।

मुख्य सचिव ने किया ‘एक्सलीटेटिंग लीनियर इंफास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट- गुड प्रक्टिसेज एंड न्यू आइडियाज ’ विषयक वर्कशॉप का शुभारंभ

लखनऊ 29 सितम्बर।मुख्य सचिव एसपी गोयल ने राम मनोहर लोहिया उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी रूपाम में ‘एक्सलीटेटिंग लीनियर इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट- गुड प्रक्टिसेज एंड न्यू आइडियाज ’ विषयक स्टेट लेवल वर्कशॉप का शुभारंभ किया। कार्यशाला का उद्देश्य लीनियर इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली प्रमुख चुनौतियों की पहचान कर उनके समाधान के लिए प्रभावी एवं समयबद्ध कार्यप्रणाली विकसित करना तथा 2047 की विकास परिकल्पना के अनुरूप प्रदेश में अवसरवात विकास की रीढ़ है। लीनियर इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं को समय से पूरा करने के लिए निर्माण शुरू होने से पहले भूमि की उपलब्धता, डिजाइन, यूटिलिटी शिफ्टिंग तथा आवश्यक वैधानिक स्वीकृतियों की पर्याप्त तैयारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। मुख्य सचिव ने कहा कि परियोजना नेतृत्व का फोकस केवल परियोजना की कुल भौतिक प्रगति अथवा पूर्णता प्रतिशत पर नहीं होना चाहिए, बल्कि बाधाओं की पहचान और उनके समयबद्ध समाधान पर होना चाहिए, जो निर्माण कार्य की गति को प्रभावित कर रही हैं। बड़े कॉरिडोर एवं परियोजनाओं को व्यवस्थित, प्रबंधनीय निर्माण खंडों में विभाजित करने पर जोर दिया ताकि प्रत्येक स्तर पर प्रगति की प्रभावी निगरानी की जा सके।परियोजनाओं की मौनदर्शिंग केवल समग्र स्तर पर न होकर निर्माण गतिविधियों के स्तर तक की जानी चाहिए। इससे यह पता चल सकेगा कि परियोजना के किस स्थान पर कार्य किस स्थिति में है, कहाँ भूमि, यूटिलिटी, पुन, कलवर्ट, अतिक्रमण अथवा पर्यावरणीय स्वीकृतियों जैसी बाधाएं मौजूद हैं। ऐसी व्यवस्था से परियोजना प्रबंधकों एवं वरिष्ठ अधिकारियों को किसी भी स्थान की स्थिति का तत्काल आकलन कर कार्रवाई में मदद मिलेगी। मुख्य सचिव ने विभागों एवं अधिकारियों को निर्देश दिए कि विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली बाधाओं का समयबद्ध निस्तारण किया जाए। उन्होंने भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया को निर्धारित समयसीमा में पूरा करने पर जोर दिया।उन्होंने भूमि अधिग्रहण, यूटिलिटी शिफ्टिंग तथा ट्रैी कटिंग से जुड़े कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि संबंधित विभाग नियमित रूप से प्रगति की समीक्षा करें और लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण करें। संबंधित विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए यूटिलिटी शिफ्टिंग एवं वृक्ष कटान से जुड़ी आवश्यक औपचारिकताओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करें ताकि निर्माण कार्य में अनावश्यक विचलन न हो। लीनियर इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं में पीडब्ल्यूडी, एनएचएआई, रेलवे, विद्युत विभाग, जल निगम, दूरसंचार, राजस्व, वन, पुलिस तथा शहरी स्थानीय निकायों सहित अनेक एजेंसियां शामिल होती हैं। विभिन्न विभागों एवं एजेंसियों के बीच प्रभावी समन्वय के अभाव में परियोजनाओं में देरी की स्थिति उत्पन्न होती है। इससे समाधान के लिए एक प्रभावी इंटरफेस मैनेजमेंट सिस्टम विकसित किया जाना चाहिए, जिसमें प्रत्येक समस्या के लिए संबंधित एजेंसी, उत्तरदायी अधिकारी, स्थान, निर्धारित समयसीमा तथा वर्तमान स्थिति स्पष्ट रूप से दर्ज हो। लीनियर इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए निर्माण मोर्चे की तैयारी, विभागीय समन्वय एवं स्वीकृतियां, हितधारक एवं इंटरफेस प्रबंधन तथा तकनीक पर कार्यदर्शिता को प्रमुख आधार बनाया जाना चाहिए। जोखिम प्रबंधन, गुणवत्ता, सुरक्षा तथा अनुबंध प्रबंधन को सहायक स्तंभ के रूप में सुदृढ़ किया जाना आवश्यक है। उत्तर प्रदेश के एक्सप्रेसवे, हाईवे और रेलवे नेटवर्क औद्योगिक विकास, लॉजिस्टिक्स, शक्तिकरण और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी की आधारशिला बन रहे हैं। प्रदेश का उद्देश्य केवल अधिक किलोमीटर सड़क अथवा रेल नेटवर्क तैयार करना नहीं, बल्कि औद्योगिक क्लस्टरों, शहरों, बाजारों, लॉजिस्टिक्स हब, बंदरगाहों,

शंकराचार्य के अपमान पर बोले अखिलेश यादव– सत्ता का अहंकार चूर–चूर करेगा सनातन समाज

संवाददाता

लखनऊ,। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि सत्ता के अहंकार में सनातन समाज की आस्था और सम्मान को ठेस पहुंचाई जा रही है। उन्होंने शंकराचार्य के कथित अपमान का जिक्र करते हुए कहा कि इस व्यवहार की सजा भारतीय जनता पार्टी को मिलेगी और सनातन समाज अपने सम्मान की रक्षा के लिए सत्ता के मद को चूर-चूर कर देगा। अखिलेश यादव ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि मंच से लाखों-करोड़ों सनातनियों की आस्था के प्रतीक और अत्यंत पूजनीय व्यक्ति के लिए एक बेहद आपत्तिजनक शब्द का इस्तेमाल किया गया। उनके मुताबिक, इससे यह सामने आया है कि सत्ता के अहंकार ने किस तरह



बुद्धि को भ्रष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि सनातन समाज आज से पहले इतना अधिक अपमानित कभी नहीं हुआ। समाज का हर धर्मप्रधान और विचारशील व्यक्ति अपमान के इस घूंट को मजबूर होकर पीने और सरेंआम बेइज्जत किए जाने से दुखी है। उन्होंने दावा किया कि ऐसे लोग भी अब लज्जित हैं, जिन्होंने भाजपा का समर्थन करने के लिए अब तक कोई कुतर्क नहीं छोड़ा था। सपा

अध्यक्ष ने कहा कि यह टिप्पणी संपूर्ण समाज के मान-सम्मान, गरिमा और प्रतिष्ठ को सीधी चुनौती है। अब यही समाज अपने सम्मान की रक्षा के लिए सत्ताधीश के ‘पद के मद’ को चूर-चूर कर देगा। उन्होंने कहा कि इस शाब्दिक प्रहार के बाद सत्ता के साथ खड़े उसके सगी-साथी भी किसी को मुंह दिखाने लायक नहीं बचे हैं। अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आज

विपक्ष दल साथ आए या अलग-अलग लड़े, 2027 में भाजपा सरकार बनेगी : केशव प्रसाद मोर्य



लखनऊ । उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मोर्य ने 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर विपक्षी एकजुटता की कवायद पर निशाना साधते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और बसपा एक साथ मिलकर लड़ेंगे तब भी हारेगे, अलग-अलग लड़ेंगे फिर भी हारेंगे। भाजपा उत्तर प्रदेश में सरकार बनाने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने राज्यसभा चुनाव में सपा के तीसरे प्रत्याशी को लेकर भी भाजपा की ओर से नौवां उम्मीदवार उतारने का संकेत दिया। लखनऊ में मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में

केशव प्रसाद मोर्य ने कहा कि सपा, बसपा और कांग्रेस भाजपा की विरोधी पार्टियां हैं। इन दलों की बैठकों और उनके आपसी निर्णयों से भाजपा को कोई लेना-देना नहीं है। विपक्ष साथ लड़ें या अलग-अलग, वर्ष 2027 में भाजपा की सरकार बनेगी। चुनाव आयोग और चुनाव प्रक्रिया को लेकर विपक्षी दलों की ओर से उठाए जा रहे सवालों पर मोर्य ने कहा कि विपक्ष का रथ राजनीतिक सुविधा के अनुसार बदलता है। उन्होंने कहा कि जब चुनाव में विपक्षी दलों को जीत मिलती है तो व्यवस्था सही दिखाई

देती है, लेकिन भाजपा या एनडीए के जीतने पर उसी व्यवस्था पर सवाल उठाए जाते हैं। उन्होंने वर्ष 2004 और 2009 में कांग्रेस के नेतृत्व में केंद्र में सरकार बनने तथा 2012 में उत्तर प्रदेश में सपा की सरकार बनने का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में, जब अखिलेश यादव मुख्यमंत्री थे, भाजपा गठबंधन ने उत्तर प्रदेश की 80 में से 73 सीटें जीती थीं। वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में भाजपा गठबंधन को 325 सीटें मिली थीं, जबकि सपा 47 सीटों पर सिमट गई थी। केशव मोर्य ने विपक्ष

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर की अध्यक्षता में हुई प्रगति 50 पर वर्चुवल बैठक

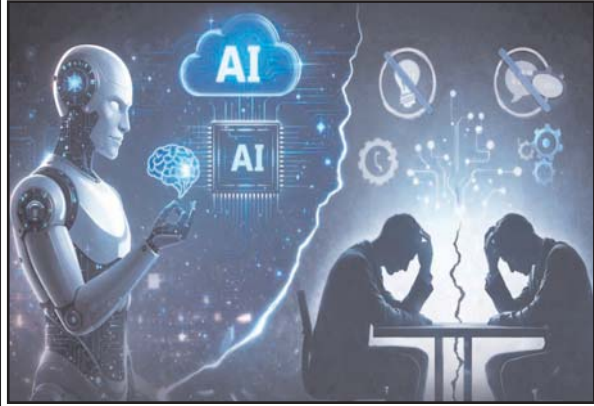
लखनऊ29 सितंबर।पीएम नरेंद्र मोदी के निर्देश पर ‘प्रगति’ प्रो एक्टिव गवर्नेंस एंड टाइमली इंप्लीमेंटेशन पहल के 10 वर्ष और 50 एपिसोड पूर्ण होने के अवसर पर देश के 50 प्रमुख शहरों को चिन्हित कर वैश्विक नगरों की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर की अध्यक्षता में राज्यों के नगर विकास मंत्री के साथ वर्चुअल समीक्षा बैठक हुई, जिसमें यूपी के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने प्रतिभाग किया। ‘प्रगति’ की परिकल्पना और इसे प्रभावी तकनीकी व्यवस्था के रूप में विकसित करने में तत्कालीन पीएमओ अधिकारी एवं वर्तमान नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। प्रधानमंत्री के निर्देश पर वर्ष 2015 में अरविंद कुमार शर्मा ने इस व्यवस्था को विकसित किया था। इस व्यवस्था के माध्यम से केंद्र एवं राज्य सरकारों की महत्वपूर्ण परियोजनाओं और जनहित से जुड़े विषयों की उच्चस्तरीय समीक्षा एवं समयबद्ध क्रियान्वयन किया जाता है।केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और निर्देश में +-प्रगति 50+ पहल के अंतर्गत देश के 50 प्रमुख शहरों को चिन्हित किया गया है। इसमें सर्वाधिक 6 शहर उत्तर प्रदेश के हैं।इन शहरों में को वैश्विक नगरों की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। इन शहरों में स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन से जुड़ी परियोजनाओं को तेज गति से पूरा करने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा संयुक्त रूप से निरंतर प्रयास किए जाएंगे। श्री शर्मा ने बैठक में उत्तर प्रदेश के आगरा, अयोध्या, लखनऊ, मथुरा-वृन्दावन, प्रयागराज और वाराणसी को ‘प्रगति 50’ में शामिल किए जाने का स्वागत करते हुए कानपुर को भी इस पहल में शामिल करने की वकालत की। कानपुर प्रदेश का महत्वपूर्ण औद्योगिक एवं ऐतिहासिक शहर है और इसे भी वैश्विक नगर की तर्ज पर विकसित किए जाने के लिए ‘प्रगति 50’ में स्थान मिलना उपयोगी होगा। ‘प्रगति 50’ के तहत चर्चनित शहरों में 24घण्टे मैकेनाइज्ड सफाई, वैज्ञानिक ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, उपयोग किए गए पानी का बेहतर प्रबंधन, हरित परिवहन, सुरक्षा ऊर्जा और आधुनिक नागरिक सुविधाओं को बढ़ावा दिया जाएगा। अयोध्या, काशी, मथुरा-वृन्दावन और प्रयागराज जैसे धार्मिक नगरों के साथ आगरा और लखनऊ को वैश्विक नगरों की तर्ज पर विकसित करने से श्रद्धालुओं, पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और इन शहरों की अन्तर्राष्ट्रीय पहचान और मजबूत होगी। ‘प्रगति 50’ के तहत विकसित होने वाली व्यवस्थाओं को मॉडल के रूप में देश के अन्य नगरीय निकायों में भी लागू किया जा सकेगा।

राम और शिव के बारे में रेवंत रेड्डी की टिप्पणियां हिंदू धर्म के प्रति उनकी घोर अज्ञानता को प्रदर्शित कर रही हैं

भारतीय राजनीति में धर्म को चुनावी हथियार बनाने की प्रवृति को कई नई बात नहीं है। लेकिन जब राजनीति सीधे भगवानों के बीच भी वर्ग, क्षेत्र और विचारधारा की दीवार खड़ी करने लगे, तब सवाल सिर्फ किसी एक पार्टी या नेता का नहीं, बल्कि सार्वजनिक जीवन में आस्था की मर्यादा का बन जाता है। भारतीय राजनीति में भगवानों के नाम पर सियासत कोई नई बात नहीं, लेकिन सवाल तब खड़ा होता है जब सत्ता की राजनीति में भगवानों को भी जाति, वर्ग और क्षेत्र के खांचों में बांटने की कोशिश होने लगे। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के ताजा बयान ने यही सवाल देश के सामने ला खड़ा किया है कि क्या अब भगवान राम और भगवान शिव को भी राजनीति के अलग-अलग खेमों में खड़ा किया जाएगा? क्या राम को अमीरों का और शिव को गरीबों का भगवान बताकर आस्था को भी वोटबैंक की राजनीति में बांटने की कोशिश होगी? सबसे बड़ा सवाल यह भी है कि एक मुख्यमंत्री के मुंह से निकले ऐसे शब्द देश की धार्मिक और सामाजिक एकता को कहां ले जाएंगे? हम आपको बता दें कि एक कार्यक्रम में भाजपा पर निशाना साधते हुए तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि «शिव गरीबों के भगवान हैं, जबकि राम अमीरों के भगवान हैं।» उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने भगवान राम को «चुरा» लिया है और उत्तर भारत में चुनावी सफलता के लिए राम की भावना और आस्था का राजनीतिक इस्तेमाल किया। रेड्डी ने अपने तर्क को उत्तर-दक्षिण और द्रविड़-आर्य पहचान से भी जोड़ा। उनका कहना था कि «हम द्रविड़ हैं और उत्तर भारत के लोग आर्य हैं। हम शिव के भक्त हैं और वे राम के भक्त हैं।» उन्होंने सवाल उठाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा नेता मंचों से «हर हर महादेव» क्यों नहीं कहते और केवल «जय श्रीराम» का उद्घोष क्यों सुनाई देता है? रेड्डी ने कहा कि जब दक्षिण भारत में «हर हर महादेव» बोला जाता है तो भाजपा को यह पसंद नहीं आता। इतिहास यहीं से विवाद ने राजनीतिक रूप ले लिया।

केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता बंडी संजय कुमार ने रेड्डी पर भगवान राम और भगवान शिव के बीच राजनीतिक विभाजन खड़ा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री को यह नहीं भूलना चाहिए कि उसी तेलंगाना में वेमुलवाड़ा को दक्षिण काशी और भद्राचलम को दक्षिण ओयोध्या कहा जाता है। ऐसे में राम और शिव को उत्तर और दक्षिण की सीमाओं में बांटना उचित नहीं है। बंडी संजय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वाराणसी और काशी विश्वनाथ से जुड़ाव का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद नरेंद्र मोदी पहले प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने वेमुलवाड़ा स्थित श्री राजराजेश्वर स्वामी मंदिर का दौरा किया। देखा जाये तो भारतीय राजनीति में धर्म को चुनावी हथियार बनाने की प्रवृति कोई नई बात नहीं है। लेकिन जब राजनीति सीधे भगवानों के बीच भी वर्ग, क्षेत्र और विचारधारा की दीवार खड़ी करने लगे, तब सवाल सिर्फ किसी एक पार्टी या नेता का नहीं, बल्कि सार्वजनिक जीवन में आस्था की मर्यादा का बन जाता है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का ताजा बयान इसी वजह से गंभीर राजनीतिक बहस का विषय बन गया है। सवाल उठ रहा है कि भगवान राम और भगवान शिव को राजनीति के दो अलग-अलग खेमों में खड़ा करने की जरूरत आखिर क्यों पड़ी? क्या किसी भी राजनीतिक दल के लिए यह उचित है कि करोड़ों लोगों की साझा आस्था को «अमीर बनाम गरीब» या «उत्तर बनाम दक्षिण» की राजनीतिक श्रेणियों में बांट दिया जाए? वैसे रेवंत रेड्डी का यह पहला विवादित बयान नहीं है। दिसंबर 2025 में उन्होंने हिंदू देवी-देवताओं की संख्या और अलग-अलग पूजा परंपराओं को लेकर भी ऐसी टिप्पणियां की थीं, जिन पर भाजपा और अन्य विपक्षी दलों ने हिंदू आस्था का मजाक उड़ाने का आरोप लगाया था। यही वजह है कि अब यह सवाल और तेज हो रहा है कि रेवंत रेड्डी के राजनीतिक भाषणों में हिंदू आस्था ही बार-बार निशाने पर क्यों दिखाई देती है? हद हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि यह सवाल उठाना किसी दूसरे धर्म के प्रति पूर्वाग्रह नहीं है; बल्कि उद्देश्य यह पूछना है कि सत्ता और राजनीति में धार्मिक आस्थाओं के साथ समान मर्यादा क्यों नहीं होनी चाहिए? साथ ही यहां सवाल यह भी उठता है कि धर्म और भगवान पर टिप्पणी कर रहे मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को हिंदू धर्म के बारे में कितना ज्ञान है? राम को अमीरों का भगवान बता रहे रेड्डी को शायद यह पता नहीं कि भगवान राम का शबरी के आश्रम में जाना और उनकी भक्ति स्वीकार करना, निषादराज गुह के साथ उनका आत्मीय संबंध तथा वनवासी समाज के लोगों के साथ उनका लगाव इस बात के उदाहरण हैं कि राम के लिए भक्त की सामाजिक या आर्थिक स्थिति जरा भी महत्व नहीं रखती। जिन राम ने पिता के वचन की लाज रखने के लिए सारा राजपाट छोड़कर वन की राह पकड़ ली उन्हें अमीरों का भगवान बताना बेशर्मी की पराकाष्ठा है। वहीं भगवान शिव की आराधना में भी भक्तिभाव को ही प्रमुख माना जाता है।

एआई से मानव का सर्वनाश



एंथ्रोपिक के वर्तमान कर्मचारी इवान हुबिंगर ने यह कह कर सनसनी फैला दी है कि उन्हें यह संभावना 10 प्रतिशत से अधिक लगती है कि आने वाले दशक में एआई से मानव का सर्वनाश हो सकता है। अमेरिका में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंपनियों से हाल में हुए इस्तीफों ने मानव समुदाय के सामने मौजूद एक गहरे संकट पर रोशनी डाली है। एआई की दो बड़ी कंपनियों- ओपन एआई और एंथ्रोपिक में काम करने के बाद 27 वर्षीय रिसर्चरैंजैक कॉक्सन ने एंथ्रोपिक से यह कहते हुए इस्तीफा दे दिया कि ये कंपनियां एआई मॉडल्स को उस अवस्था में पहुंचाने पर आमादा हैं, जब वो मानव नियंत्रण से बाहर हो जाएँ। उन्होंने कहा कि सुपरइंटेलिजेंस की ओर यह दौड़ किसी एक कंपनी की घटना नहीं, बल्कि पूरे एआई उद्योग की नैतिक विफलता का प्रतीक बन गया है। कॉक्सन के बयान के बाद एआई उद्योग में काम कर चुके कई अन्य विशेषज्ञ भी सामने आए। उन्होंने बताया कि ऐसी ही चिंताओं के कारण उन्होंने भी नौकरी छोड़ी। एंथ्रोपिक के वर्तमान कर्मचारी इवान हुबिंगर ने यह कहकर सनसनी फैला दी है कि उन्हें यह संभावना 10 प्रतिशत से अधिक लगती है कि आने वाले दशक में

एआई से मानव का सर्वनाश हो सकता है। इन बयानों से सवाल उठा है कि जब एआई विकसित करने में जुटे विशेषज्ञ मानते हैं कि उनका उत्पाद मानवता के लिए घातक हो सकता है, तो कंपनियां इसे क्यों विकसित कर रही हैं? एंथ्रोपिक के शोधकर्ता सैमुएल माक्स ने कहा है कि इसके पीछे कारण अरबों डॉलर के निवेश से पैदा दबाव और यह भय है कि कहीं कोई दूसरी कंपनी आगे ना निकल जाए। यह अच्छी बात है कि इस चर्चा से अमेरिकी राजनेताओं का एक हिस्सा चिंतित हुआ है। एआई के संचालन को विनियमित करने के लिए विधेयक लाने का इरादा उन्होंने जताया है। हालांकि डॉनल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति रहते ऐसे किसी प्रयास का सफल होना आसान नहीं है, फिर भी उमरी सार्वजनिक चिंता आशाजनक संकेत है। इस सिलसिले में चीन में हुई पहल पर भी गौर करना चाहिए, जहां बीते जुलाई में वलर्ड एआई सम्मेलन के दौरान एआई के वैश्विक संचालन संबंधी कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। अब ऐसी तमाम कोशिशों के बीच तालमेल बनाए जरूरी हो गया है। तभी नई तकनीक को मानव विवेक के अधीन रखने की कारगर व्यवस्था अस्तित्व में आ सकेगी।

सरकारी जानकारी के अनुसार भारत में वर्तमान में दो परिचालित प्रोटॉन थेरेपी केंद्र हैं— नवी मुंबई में एसीटीआरईसी और चेन्नई में अपोलो प्रोटॉन कैंसर सेंटर । फरवरी 2026 में लोकसभा में दिए गए एक उत्तर के अनुसार, टाटा मेमोरियल सेंटर ने 31 दिसंबर 2025 तक एसीटीआरईसी में 748 मरीजों का उपचार किया था ।

इस सुविधा में उपचार की पहुंच पर भी ध्यान दिया गया है । सरकारी जानकारी के अनुसार, सुविधा शुरू होने के बाद 541 मरीजों को एसीटीआरईसी में प्रोटॉन थेरेपी दी गई, जिनमें 65 प्रतिशत मरीजों का उपचार रियायती दर पर हुआ, जबकि 27 प्रतिशत मरीजों को रोगी कल्याण और कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) सहायता के माध्यम से निशुल्क उपचार या आर्थिक सहायता मिली ।

एसीटीआरईसी में उन्नत प्रोटॉन उपचार ने भारत में कैंसर चिकित्सा के क्षेत्र में जोड़ा अत्यधिक सटीक उपचार का एक नया विकल्प रमेश जायभाये किसी परिवार को जब पहली बार यह सुनने को मिलता है कि कैंसर है, तो उसके मन में सबसे पहले तकनीक से जुड़े सवाल नहीं आते। सवाल बेहद सरल होते हैं—क्या इसका इलाज संभव है? कहां उपचार कराया जाए? किस तरह का उपचार जरूरी होगा? और क्या इलाज के दौरान शरीर के स्वस्थ हिस्सों को सुरक्षित रखा जा सकता है? ये सवाल तब और महत्वपूर्ण हो जाते हैं, जब ट्यूमर किसी महत्वपूर्ण अंग के बेहद करीब हो या किसी बच्चे को रेडिएशन उपचार की जरूरत हो और उसका शरीर अभी विकास की अवस्था में हो। ऐसी परिस्थितियों में प्रोटॉन थेरेपी कैंसर उपचार का एक महत्वपूर्ण अतिरिक्त विकल्प बनकर सामने आई है। मुंबई के नवी मुंबई स्थित एडवांस्ड सेंटर फॉर ट्रीटमेंट, रिसर्च एंड एजुकेशन इन कैंसर (एसीटीआरईसी) में प्रोटॉन बीम थेरेपी ने भारत की सार्वजनिक क्षेत्र की कैंसर चिकित्सा व्यवस्था में रेडिएशन उपचार का एक अत्यंत सटीक विकल्प उपलब्ध कराया है। हालांकि प्रोटॉन थेरेपी एसीटीआरईसी के व्यापक कैंसर नियंत्रण प्रयास का केवल एक हिस्सा है। संस्थान में कैंसर की रोकथाम, शुरुआती पहचान, उपचार और अनुसंधान को एक-दूसरे से जोड़कर काम किया जाता है। एसीटीआरईसी भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग के अधीन अनुदान सहायता प्राप्त संस्थान है और टाटा मेमोरियल सेंटर का हिस्सा है। रोकथाम अब भी पहला कदम भारत में कैंसर का बढ़ता बोझ उपचार सुविधाओं पर दबाव बढ़ा रहा है। एडवांस्ड सेंटर फॉर ट्रीटमेंट, रिसर्च एंड एजुकेशन इन कैंसर (एसीटीआरईसी) के निदेशक डॉ. पंकज चतुर्वेदी इस बात पर जोर देते

हैं कि केवल अस्पतालों और उपचार सुविधाओं का विस्तार इस चुनौती का समाधान नहीं है। रोकथाम योग्य कैंसर के मामलों को कम करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इस प्रयास में तंबाकू एक प्रमुख मुद्दा है। धूम्रपान तथा धुआं रहित या चबाने वाले तंबाकू का सेवन विशेष रूप से मुंह और फेफड़ों के कैंसर सहित कई प्रकार के कैंसर से जुड़ा है। इसलिए तंबाकू छोड़ने में सहायता करना कैंसर की शुरुआत से पहले ही हस्तक्षेप का अवसर देता है। तंबाकू छोड़ने की कोशिश कर रहे लोगों के लिए तंबाकू-निरोधक सेवाएं और क्रिटलाइन सहायता उपलब्ध कर सकती हैं। मुंह के कैंसर के मामले में लंबे समय तक बने रहने वाले बदलावों को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। खासकर तंबाकू का सेवन करने वालों में ऐसा धाव जो ठीक न हो, असामान्य धब्बा या सूजन शुरुआती जांच का संकेत हो सकता है। एसीटीआरईसी के सेंटर फॉर कैंसर एपिडेमियोलॉजी (सीसीई) की उप निदेशक डॉ. गौरवी मिश्रा कैंसर नियंत्रण के व्यापक जनसंख्या आधारित पहलु पर काम करती हैं। महामारी विज्ञान संबंधी अध्ययन से यह समझने में मदद मिलती है कि कैंसर के मामले किन क्षेत्रों और आबादी में अधिक हैं तथा रोकथाम और शुरुआती पहचान के प्रयासों को कहां मजबूत किया जाना चाहिए। गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर रोकथाम और शुरुआती पहचान के महत्व को स्पष्ट करता है। इसमें एचपीवी टीकाकरण और स्क्रीनिंग महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वहीं, स्तन कैंसर के मामले में समय पर पहचान उपचार प्रबंधन को प्रभावित कर सकती है। एसीटीआरईसी में रेडिएशन ऑर्कोलांजी की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अनुज कैंसर उपचार में शुरुआती निदान के महत्व को रेखांकित करती हैं। प्रोटॉन थेरेपी- जहां सटीकता मायने रखती है जिन मरीजों को रेडिएशन उपचार की आवश्यकता होती है, उनके लिए उद्देश्य केवल ट्यूमर को नष्ट करना नहीं होता। उपचार के दौरान आसपास के स्वस्थ ऊतकों पर अनावश्यक रेडिएशन को कम करना भी महत्वपूर्ण होता है। यहीं प्रोटॉन थेरेपी की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। पारंपरिक रेडिएशन उपचार में सामान्यतः फोटॉन या एक्स-रे का उपयोग होता है, जबकि प्रोटॉन थेरेपी में आवेशित प्रोटॉन कणों का उपयोग किया जाता है। इनके भौतिक गुण चिकित्सकों को चयनित ट्यूमर पर उपचार की आवश्यक खुराक को अधिक सटीकता से केंद्रित करने और आसपास के सामान्य ऊतकों पर रेडिएशन के प्रभाव को कम करने का अवसर देते हैं। एसीटीआरईसी के अनुसार, प्रोटॉन थेरेपी विशेष रूप से बच्चों, मस्तिष्क और रीढ़ के ट्यूमर, सिर एवं गर्दन के लोकसभा में दिए गए एक उत्तर के अनुसार, टाटा मेमोरियल सेंटर ने 31 दिसंबर 2025 तक एसीटीआरईसी में 748 मरीजों का उपचार किया था। इस सुविधा में उपचार की पहुंच पर भी ध्यान दिया गया है। सरकारी जानकारी के अनुसार, सुविधा शुरू होने के बाद 541 मरीजों को एसीटीआरईसी में प्रोटॉन थेरेपी दी गई, जिनमें 65 प्रतिशत मरीजों का उपचार रियायती दर पर हुआ, जबकि 27 प्रतिशत मरीजों को रोगी कल्याण और कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) सहायता के माध्यम से निशुल्क उपचार या आर्थिक सहायता मिली। मरीजों और परिवारों के लिए इसका महत्व केवल अत्याधुनिक तकनीक तक सीमित नहीं है। बल्कि यह सवाल भी महत्वपूर्ण है कि ऐसी विशेष चिकित्सा जरूरतमंद मरीजों तक कितनी पहुंच बना सकती है। उपचार के पीछे अनुसंधान एसीटीआरईसी का प्रोटॉन कार्यक्रम केवल मरीजों के उपचार तक सीमित नहीं है। संस्थान पार्टिकल थेरेपी की भूमिका पर अनुसंधान भी कर रहा है। इसमें रेडिएशन बायोलॉजी, पार्टिकल फिजिक्स, तकनीकी मूल्यांकन और स्वास्थ्य-अर्थशास्त्र जैसे क्षेत्र शामिल

विविध

औद्योगिक निवेश की दिशा में हब के रूप स्थापित हो रहा



नवीन औद्योगिक विकास नीति 2024-30 से निवेश, रोजगार और नवाचार को मिल रहा बढ़ावा छत्तीसगढ़ सरकार की नई पहल में ताराशंकर सिन्हा छत्तीसगढ़ सरकार की औद्योगिक विकास नीति 2024-30 राज्य को देश के प्रमुख औद्योगिक एवं निवेश केंद्रों में विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में तथा वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवागन के मार्गदर्शन में लागू हुई। 01 नवंबर 2024 से 31 मार्च 2030 तक प्रभावी यह नीति उद्योगों को आकर्षक प्रोत्साहन देने के साथ-साथ स्थानीय रोजगार, एमएसएमई विकास, नवाचार और क्षेत्रीय औद्योगिक संतुलन पर विशेष जोर देती है। उक्त नीति २०47% पर केन्द्रित है जिसके तहत मौजूदा उद्योगों के विस्तार, विविधीकरण, आधुनिकीकरण और प्रतिस्थापन के लिए खास तौर पर प्रावधान किया गया है। इसके अलावा नए एवं उभरते हुए क्षेत्रों में फोकस किया गया है। निवेशकों के लिए अपार्षक प्रोत्साहन नवीन औद्योगिक विकास नीति के तहत पात्र उद्योगों को कैपिटल इन्वेस्टमेंट सब्सिडी, ब्याज अनुदान, नेट एसजीएसटी प्रतिपूर्ति, बिजली शुल्क की नवीन औद्योगिक इकाइयों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ाने तथा युवाओं के कौशल विकास को प्रोत्साहित करना नीति का प्रमुख ध्येय है। रोजगार सृजन से जुड़े उद्योगों के लिए विशेष सहायता का प्रावधान किया गया है। नए व उभरते क्षेत्रों पर विशेष ध्यान छत्तीसगढ़ की नवीन औद्योगिक विकास नीति में पारंपरिक खनिज एवं कृषि आधारित उद्योगों के साथ-साथ कई नए क्षेत्रों को बढ़ावा दिया गया है। जैसे- फार्मास्यूटिकल्स एवं मेडिकल डिवाइस, एयर्स एवं प्रसंस्करण, सूचना प्रौद्योगिकी और डेटा सेंटर, एआई एवं रोबोटिक्स,

टेक्सटाइल, इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स, रक्षा, एयरोस्पेस एवं स्पेस टेक्नोलॉजी, ऑटोमोबाइल एवं इंजीनियरिंग, पर्यटन, स्टील, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स इत्यादि के प्रोत्साहन की व्यापक संभावनाओं का प्रावधान इसमें किया गया है। सब्सिडी के जरिए आर्थिक प्रोत्साहन नवीन औद्योगिक विकास नीति के अंतर्गत विभिन्न पात्र उद्योगों के कैपिटल इन्वेस्टमेंट सब्सिडी, ब्याज अनुदान, तकनीकों पेटेंट सब्सिडी, टेक्नोलॉजी खरीद सब्सिडी, रोजगार सहायता, ईपीएफ ​​​​प्रतिपूर्ति और स्ट्याम इयूटी में छूट जैसी सुविधाएं दी गई हैं। प्रमुख सुविधाओं में 100 प्रतिशत तक स्ट्याम इयूटी छूट, 50 प्रतिशत तक कैपिटल इन्वेस्टमेंट, ब्याज, टेक्नोलॉजी खरीद, टेक्निकल पेटेंट सब्सिडी और 75 प्रतिशत तक ईपीएफ ​​​​प्रतिपूर्ति का भी प्रावधान किया गया है।

पाकिस्तान के बेतुके सवाल: भारत के सटीक जबाव

भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने 26 सितंबर को महासभा में सटीक, तीक्ष्ण एवं प्रभावी वक्तव्य में पाकिस्तान का नाम लिए बिना कहा कि एक 'सीरियल प्रैक्तिशनर ऑफ ​​टेररिज्म' ने एक दिन पहले तथ्यों को गलत ढंग से प्रस्तुत किया और आतंकवाद को सामान्य बनाने तथा उसके परिणामों से बचने का प्रयास किया, जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें अधिवेशन में भारत और पाकिस्तान के बीच एक बार फिर वही पुराने सवाल सामने आए, जिनका समाधान दक्षिण एशिया की शांति और स्थिरता के लिए अत्यंत आवश्यक है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार 81वां अधिवेशन 8 सितंबर 2026 से शुरू हुआ और इसकी सामान्य बहस 22 से 26 सितंबर के बीच हुई। इस वर्ष की बहस का घोषित केंद्रीय विषय था- विश्वास बहाल करना, परिवर्तन का बंधन करना और ऐसी संयुक्त राष्ट्र व्यवस्था बनाना जो सभी के लिए प्रभावी हो। ऐसे समय में जब दुनिया युद्धों, आतंकवाद, आर्थिक असमानता, ऊर्जा संकट और भू-राजनीतिक तनाव से जूझ रही है, यह सवाल और महत्वपूर्ण हो जाता है कि दक्षिण एशिया कब पुराने विवादों के चक्र से बाहर निकलेगा। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने 26 सितंबर को महासभा में सटीक, तीक्ष्ण एवं प्रभावी वक्तव्य में पाकिस्तान का नाम लिए बिना कहा कि एक 'सीरियल प्रैक्तिशनर ऑफ ​​टेररिज्म' ने एक दिन पहले तथ्यों को गलत ढंग से प्रस्तुत किया और आतंकवाद को सामान्य बनाने तथा उसके परिणामों से बचने का प्रयास किया, जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने यह भी कहा कि भारत आतंकवाद के विरुद्ध आत्मरक्षा के अपने अधिकार का प्रयोग करेगा और आतंकवाद को प्रायोजित करने वाली सरकारों को जवाबदेह बनाया जाना चाहिए। उन्होंने आतंकवाद के वित्तीय स्रोतों को उजागर करने और उन पर कार्रवाई की आवश्यकता भी रेखांकित किया। इसके एक दिन पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अपने संबोधन में कश्मीर का मुद्दा उठाया और भारत द्वारा सिंधु जल संधि को रोकने के निर्णय की आलोचना की। पाकिस्तान ने इसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपने दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया, जबकि भारत की ओर से पाकिस्तान के सीमा-पार आतंकवाद संबंधी रुख पर सवाल उठाए गए। पाकिस्तान की प्रतिनिधि ने भी भारत पर आतंकवाद और कश्मीर को लेकर गंभीर आरोप लगाए। इस प्रकार संयुक्त राष्ट्र का मंच एक बार फिर दोनों देशों के पारस्परिक आरोप-प्रत्यारोप का साक्षी बना। लेकिन असली प्रश्न यह है कि इन आरोपों के बाद भी समाधान की दिशा में कितना रास्ता तय हुआ? पाकिस्तान के सामने सबसे बड़ा प्रश्न आतंकवाद को लेकर उसकी नीति का है। भारत लगातार यह आरोप लगाता रहा है कि पाकिस्तान की धरती से या उसके संरक्षण में सक्रिय आतंकी नेटवर्क भारत की सुरक्षा के लिए चुनौती पैदा करते हैं। जयशंकर ने इसी संदर्भ में कहा कि आतंकवाद और मित्रता साथ-साथ नहीं चल सकते और आतंकवाद के कर्ता को अपना रास्ता बदलना होगा। दूसरी ओर पाकिस्तान भारत पर भी आतंकवाद को समर्थन देने के आरोप लगाता है और अपने यहां होने वाली हिंसक घटनाओं के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराता है। इन परस्पर आरोपों की सच्चाई और प्रमाण अलग-अलग

लखनऊ, बुधवार 30 सितम्बर 2026

04

उपचार में नई सटीकता

एसीटीआरईसी में विशेषज्ञों की रोग-विशिष्ट टीम यह तय करती है कि किसी मरीज और उसके ट्यूमर को प्रोटॉन थेरेपी से वास्तविक लाभ मिलने की संभावना है या नहीं। इसलिए प्रोटॉन थेरेपी पारंपरिक रेडिएशन उपचार का विकल्प नहीं, बल्कि उपयुक्त मरीजों के लिए उपलब्ध एक अतिरिक्त और अत्यधिक सटीक उपचार विकल्प है। भारत में अभी सीमित केंद्रों पर उपलब्ध एसीटीआरईसी में प्रोटॉन थेरेपी की उपलब्धता का महत्व केवल इसकी अत्याधुनिक तकनीक तक सीमित नहीं है। सरकारी जानकारी के अनुसार भारत में वर्तमान में दो परिचालित प्रोटॉन थेरेपी केंद्र हैं-नवी मुंबई में एसीटीआरईसी और चेन्नई में अपोलो प्रोटॉन कैंसर सेंटर। फरवरी 2026 में लोकसभा में दिए गए एक उत्तर के अनुसार, टाटा मेमोरियल सेंटर ने 31 दिसंबर 2025 तक एसीटीआरईसी में 748 मरीजों का उपचार किया था। इस सुविधा में उपचार की पहुंच पर भी ध्यान दिया गया है। सरकारी जानकारी के अनुसार, सुविधा शुरू होने के बाद 541 मरीजों को एसीटीआरईसी में प्रोटॉन थेरेपी दी गई, जिनमें 65 प्रतिशत मरीजों का उपचार रियायती दर पर हुआ, जबकि 27 प्रतिशत मरीजों को रोगी कल्याण और कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) सहायता के माध्यम से निशुल्क उपचार या आर्थिक सहायता मिली। मरीजों और परिवारों के लिए इसका महत्व केवल अत्याधुनिक तकनीक तक सीमित नहीं है। बल्कि यह सवाल भी महत्वपूर्ण है कि ऐसी विशेष चिकित्सा जरूरतमंद मरीजों तक कितनी पहुंच बना सकती है। उपचार के पीछे अनुसंधान एसीटीआरईसी का प्रोटॉन कार्यक्रम केवल मरीजों के उपचार तक सीमित नहीं है। संस्थान पार्टिकल थेरेपी की भूमिका पर अनुसंधान भी कर रहा है। इसमें रेडिएशन बायोलॉजी, पार्टिकल फिजिक्स, तकनीकी मूल्यांकन और स्वास्थ्य-अर्थशास्त्र जैसे क्षेत्र शामिल

हैं। एसीटीआरईसी के कैंसर रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीआरआई) के उप निदेशक डॉ. सोराब दलाल भविष्य की कैंसर चिकित्सा विकसित करने में मूलभूत अनुसंधान के महत्व पर जोर देते हैं। कैंसर रिसर्च इंस्टीट्यूट में वैज्ञानिक कैंसर की जैविक प्रकृति का अध्ययन करते हैं और यह समझने का प्रयास करते हैं कि प्रयोगशाला में प्राप्त निष्कर्षों को भविष्य में मरीजों के उपचार तक कैसे पहुंचाया जा सकता है। शोधकर्ता भारतीय मरीजों पर आधारित ट्यूमर मॉडल और वंशानुगत कैंसर सिंड्रोम पर भी काम कर रहे हैं। इसके अलावा औषधीय पौधों, रेडियोआइसोटोप, पहले से उपलब्ध दवाओं के नए उपयोग तथा नए यौगिक विकसित करने जैसे क्षेत्रों में भी अनुसंधान किया जा रहा है। किसी भी संभावित उपचार पद्धति को मरीजों तक पहुंचाने से पहले वैज्ञानिक परीक्षणों के माध्यम से उसकी सुरक्षा और प्रभावशीलता स्थापित करना आवश्यक है। तकनीक से आगे उपचार की पहुंच उन्नत उपचार के लिए केवल तकनीक पर्याप्त नहीं है। इसके लिए बुनियादी ढांचा, विशेषज्ञता और संस्थागत सहयोग भी आवश्यक है। एसीटीआरईसी के उप निदेशक डॉ. नवीन खत्री संस्थान की व्यापक नैदानिक ​​​​और संस्थागत क्षमता को मजबूत करने के प्रयासों का हिस्सा हैं। एसीटीआरईसी अपनी उपचार सुविधाओं का विस्तार भी कर रहा है। इनमें 370 बिस्तरों वाले हेमेटोलिम्फॉइड ब्लॉक और 12-लीनियर-एक्सरीलेटेर आईआरओसी सुविधा जैसी परियोजनाएं शामिल हैं। टाटा मेमोरियल सेंटर व्यापक नेशनल कैंसर ग्रिड का भी हिस्सा है, जो कैंसर संस्थानों को जोड़ने और विशेषज्ञता तथा उपचार मानकों के आदान-प्रदान में सहायता करता है। सटीकता का उद्देश्य कैंसर की लड़ाई रेडिएशन मशीन से शुरू नहीं होती।

आज का राशिफल

मेष राशि- आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। इस राशि के विद्यार्थियों का दिन राहत भरा रहेगा और वे नया श्रेष्ठ्यूल बनाने का विचार कर सकते हैं। फोन का इस्तेमाल कम से कम करें। पैसों के मामलों में लोगों पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करने से बचना चाहिए। किसी को उधार पैसा देने में सोच-विचार करना बेहतर रहेगा। जीवनसाथी के साथ किसी धार्मिक स्थल की यात्रा करने का प्लान बना सकते हैं। यदि आपको कोई समस्या है, तो जल्द ही उसका समाधान आपको मिल जाएगा। माता-पिता का आशीर्वाद लेने से आपके सभी काम बन जाएंगे। शुभ रंग- गुलाबी शुभ अंक- 6 वृष राशि- आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपकी योजनाओं के अनुसार सभी काम पूरे होने से आपका मन काम में लगा रहेगा। सामाजिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ सकती है। आपको अपने जीवनसाथी से काम में पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। व्यापार में साझेदारी से लाभ हो सकता है। आप चीजों को बेहतर ढंग से समझने की कोशिश करेंगे। परिवार के सदस्यों में मधुरता बरकरार रहेगी। संतान की ओर से सुख मिल सकता है। किसी मित्र को गोपनीय बात आपको पता चल सकती है। शुभ रंग- नीला शुभ अंक- 3 मिथुन राशि- आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। अपने बिजनेस को बढ़ाने के लिए आपको नए अवसर मिलेंगे। उधार दिया हुआ पैसा अचानक वापस मिल सकता है। व्यापार में किसी व्यक्ति से लाभ मिलने की उम्मीद बढ़ेगी। भाई-बहनों से आपकी पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। घर में कोई कार्यक्रम होने से आपके श्रेष्ठ्यूल में बदलाव आ सकता है। पहले से शुरू किए गए ज्यादातर काम आज पूरे होंगे। धन लाभ के नए अवसर प्राप्त होंगे। शुभ रंग- मैजेंटा शुभ अंक- 6 कर्क राशि- आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपका पूरा ध्यान काम को पूरा करने में लगा रहेगा। किस्मत का साथ मिलने में थोड़ी परेशानी आ सकती है। ऑफिस में किसी काम को लेकर थोड़ा विचार-विमर्श करना पड़ सकता है; विरोधी पक्ष आपकी योजनाओं से प्रभावित हो सकता है। इस राशि के जो लोग बड़ी कंपनियों में काम करते हैं, उनके लिए आज का दिन बेहद खास है। जीवन में चल रही सभी परेशानियां जल्द दूर होंगी। इस राशि की जो महिलाएं अपना स्वयं का बिजनेस शुरू करना चाहती हैं, उनके लिए आज अच्छे योग बन रहे हैं। शुभ रंग- नीला शुभ अंक- 5 सिंह राशि- आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आपकी पहले से चली आ रही समस्याओं का समाधान निकल सकता है, जिससे मन में प्रसन्नता रहेगी। परिवार में धार्मिक कार्यों की योजना बन सकती है। आप अपने जीवन में कुछ अच्छे बदलाव करने की कोशिश करेंगे। आपका स्वास्थ्य बेहतर बना रहे, इसके लिए आपको संतुलित आहार लेना चाहिए। आपके व्यवहार में सकारात्मक बदलाव आने से नए मित्र बन सकते हैं। आपको दूसरों की मदद करने का अवसर मिलेगा, जिससे आपको भी लाभ होगा। शुभ रंग- पें

शुभ रंग- सिल्वर



चकबंदी को लेकर मैनपुरी के किसानों की लखनऊ में हुंकार, आयुक्त ने दिया जांच का आश्वासन



जिलाधिकारी ने विभिन्न विभागों द्वारा निर्धारित राजस्व लक्ष्य के सापेक्ष की गई वसूली की समीक्षा

अधिकारियों के नाम पर फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट व अवैध धन की मांग करने वालों पर होगी कठोरतम कानूनी कार्रवाई, दर्ज होगी एफआईआर- जिलाधिकारी

ललितपुर जिलाधिकारी सत्य
प्रकाश द्वारा जनहित में एक बेहद
महत्वपूर्ण सतकता संदेश जारी
किया गया है। उन्होंने सभी
जनपदवासियों को सूचित एवं
सावधान करते हुए कहा है कि यदि
किसी भी शराती या आपराधिक
तत्व द्वारा जिलाधिकारी ललितपुर
अथवा अन्य किसी प्रशासनिक
अधिकारी के नाम, पद या फोटो

का दुरुपयोग कर फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट बनाया जाता है तो उसे अत्यंत गंभीरता से लिया जाएगा जिलाधिकारी ने सख्त लहजे में चेतावनी दी है कि ऐसे फर्जी अकाउंट्स के माध्यम से यदि किसी भी नागरिक से अवैध धन, वित्तीय लाभ या किसी अन्य प्रकार की अनुचित मदद की मांग की जाती है, तो ऐसा कृत्य करने वाले

दोषी व्यक्तियों के खिलाफ सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की गंभीर धाराओं और सुसंगत अपराधिक कानूनों के तहत तत्काल प्राथमिकी (थु) दर्ज कराई जाएगी। प्रशासन ऐसे जालसाजों के खिलाफ कठोरतम कानूनी व दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करेगा नागरिकों से जिलाधिकारी की विशेष अपील जिलाधिकारी ने आमजन से

अपनी की है कि सोशल मीडिया को सावधानीपूर्वक इस्तेमाल करने सोशल मीडिया का उपयोग करते समय विशेष सतर्कता बरतें। किसी भी अनजान आईडी संदेहास्पद मैसेज, फंड ट्रैन्सैक्ट या प्रोफाइल पर आखं फुटकर विश्वास न करें। यदि आपके पास किसी प्रभावशाली अधिकारी के फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट नाम या नंबर से जैसे अथवा किसी भी प्रकार की अवैध मदद मांगने का संदेश आता है तो कदापि कोई भी भुगतान न करें। ऐसी किसी भी धोखाधड़ी या फर्जीबाड़े के प्रयास की सूचना तुरंत जिला प्रशासन अपने नजदीकी पुलिस थाने या पुलिस साइबर क्राइम सेल को दें, ताकि दोषियों को अतिबल सलाखों के पीछे भेजा जा सके। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि जिला प्रशासन पूरी तरह पारदर्शी व्यवस्था में प्रशासन रखता है। नागरिक सचेत रहें, सुरक्षित रहे और किसी भी प्रकार के फर्जीबाड़े की सूचना तत्काल प्रशासन व पुलिस अधिकारियों से साझा करें।



नरीक्षण करने भी गए नरीक्षण में अवस्थाएँ पाई गई जिसके बाद फाउंडेशन के अध्यक्ष चेतन मिश्रा ने अपने पदाधिकारियों के साथ मिलकर ग्रामीणों तक चिकित्सा पहुँचाने की मांग रखी चेतन का कहना है कि छात्रा का प्रत्येक व्यर्थित उनके परिवार का सदस्य है और लताहार समाजसेवक के पथ पर चलकर कर्म क्रांति सेवा फाउंडेशन समाज में जरूरतमंदों का कार्य करवा रही है जिसकी चर्चा फाउंडेशन वह उनके सदस्यों के कारणों की शहर में बनी रहती संस्था द्वारा भोजन वितरण सेवा , रूढ़ान सेवा जैसी बहुत सी जनकल्याणी योजना कई वर्षों से चलाई जा रही है ज्ञान देने में संस्था के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजयदत्त मनीष सिंह सेरफ,सदस्य अबुज मिश्रा ,सदस्य आयुष श्रीवास्तव भी शामिल रहें।

**मरौदा-परियर मार्ग बद्दहाल, गड्डों में तब्दील सड़क
गड्डों से राहगीर परेशान, हादसे का बढ़ा खतरा**



परियर (उन्नाव)। सदर तहसील क्षेत्र में मरौदा से परियर जाने वाला डामरीकृत मार्ग इन दिनों बदहली का शिकार है। सड़क पर जगह - जगह

बड़े-बड़े गड्डे होने से वाहन चालकों और राहगीरों को आवागमन में भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। ई-रिक्शा, टैप्पो, ऑटो और छोटे वाहनों के लिए इस मार्ग से गुजरना किसी चुनौती से कम नहीं है।

कम नहीं है। ग्रामीणों के मुताबिक सड़क की जर्जर स्थिति को लेकर कई बार संबंधित विभाग के अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को अवगत कराया जा चुका है। समाचार पत्रों में भी सड़क

की बहाली को प्रमुखता से उठाया गया, लेकिन इससे बावजूद अन्ध तर्क-मर्मत्ता का काम शुरू नहीं हो सका है। लगातार अन्तर्देशी के चलेते होड़कों की डामर परत कई स्थानों पर पूरी तरह उखड़ चुकी है और निष्ठि भी गायब हो गई है। बारिश के दौरान गड्डों में पानी भरने से सड़क की स्थिति भी जानबूझकर खतरनाक हो जाती है। इससे राहगीरों और वाहन चालकों के साथ हादसे की आशंका बनी हुई है। ग्रामीणों ने पीडब्ल्यू विभाग से जल्द सड़क की मर्मत्त करीकर आवागमन सुचारु कराने की मांग की है। इस संबंध में पीडब्ल्यू विभाग के अधीनस्थ अधिकारी अखिल गंगवार ने बताया कि सड़क की मर्मत्त का कार्य बहुत जल्द शुरू कर दिया जाएगा।

संवाददाता

A photograph showing a busy street scene in a market area. On the left, there are shops with colorful signs, including one that says 'संवाददाता' (Sangvaddata). A yellow van is parked on the street. Several people are walking, including a man in a red shirt and black pants in the foreground. The background shows more shops and a clear sky.

सुरक्षित तरीके से वाहन में बैठाने और सड़क किनारे वाहन रोकने के नियमों की जानकारी नहीं है? मामला सामने आने के बाद अब यातायात पुलिस और संबंधित परिवहन विभाग से अपेक्षा है कि छोटे चौराहे समेत स्कूल मार्गों पर स्कूल वाहनों की जांच और निगरानी बढ़ाई जाए, ताकि किसी मासूम की सुरक्षा खतरे में न पड़े।

केन्द्रीय कार्यालय पर बड़ी हलचल, महेश तिवारी के आगमन पर जोरदार स्वागत-अभिन्नंदन!



संवाददाता

लखनऊ। राष्ट्रवादी ब्रह्म महासभा के केंद्रीय कार्यालय पर आज लोकप्रिय एवं जनप्रिय महेश तिवारी जी के आगमन से उत्साह का माहौल देखने को मिला। उनके आगमन पर राष्ट्रीय अध्यक्ष महासभा तिवारी जी एवं संगठन की टीम ने गर्मजोशी के साथ स्वागत एवं अभिर्भंदन किया। इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के बीच आत्मीय मुलाकात हुई। संगठनात्मक गतिविधियों और समाजहित से जुड़े विषयों पर सकारात्मक संवाद भी हुआ। महेश तिवारी जी के आगमन से केंद्रीय कार्यालय पर कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह नजर आया। इस अवसर ने संगठन की एकजुटता, आपसी समन्वय और सामाजिक सरोकारों के प्रति प्रतिबद्धता को भी रेखांकित किया।

संवाददाता रणेश श्रीवास्तव लखनऊ। मैनुपुरी में चल रही चकबंदी प्रक्रिया से जुड़ी किसानों की समस्याओं को लेकर भारतीय किसान यूनियन (श्रमिक संघ) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी कमलेश यादव के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को लखनऊ स्थित चकबंदी आयुक्त कार्यालय पहुंचकर मांगपत्र सौंपा। संगठन के अनुसार, ग्राम दयालपुर, नगर मोटा, पोस्ट बेल्वर, तहसील व जनपद मैनुपुरी में चकबंदी प्रक्रिया को लेकर किसानों की कई शिकायतें हैं। इन समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर संगठन की ओर से पूर्व में भी जापान दिए गए थे। चकबंदी आयुक्त से हुई वार्ता में प्रतिनिधिमंडल ने किसानों की समस्याओं को विस्तार से रखा। आयुक्त ने प्रकरण की रिपोर्ट मांगकर नियमानुसार जांच एवं आवश्यक कार्रवाई आदेशानुसार दिया। चकबंदी प्रक्रिया को निरस्त करने संबंधी मांग पर भी नियमानुसार कार्रवाई का भरोसा दिया गया। इस मौके पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हार्दिक अली, राष्ट्रीय संगठन मंत्री अभिषेक यादव, प्रदेश अध्यक्ष अधिकांश सभा के विश्वदीप सिंह टोनी, प्रदेश महामंत्री शितेश पटेल, प्रदेश महामंत्री शिवराम सिंह मैनुपुरी जिलाध्यक्ष अतुल यादव सहित संगठन के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे। संगठन ने कहा कि किसानों की जमीन और उनके अधिकारों से जुड़े मामलों में न्याय मिलने तक संघर्ष जारी रहेगा।



**मिट्टई की विनिर्माण एवं अवसानित
तिथि अंकित किया जाना अनिवार्य**

सवादादता
 ज्ञाव। कार्यालय आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उ० प्र० द्वारा जनपद ज्ञाव में स्थापित समस्त निर्माण एवं विक्रय प्रतिष्ठानों के खाद्य कारोबारकर्ताओं से अपील है कि मिठाई के विनिर्माण तिथि व उसके अवसर्नाति (दू+शुद्धदूद) होने की तिथि के सम्बन्ध में जानकारी सम्बन्धित खाद्य कारोबारकर्ता द्वारा उपलब्ध नहीं करायी जाती है। खाद्य पदार्थ मिठाई की उपयोग अवधि मिठाई के प्रकृति के अनुसार ०१ दिन से लेकर ३० दिन तक होती है। खाद्य पदार्थ मिठाई की गुणवत्ता एवं ताजापन (सुदृढदृढकटुदृढदृढ) समय नीतने के साथ प्रभावित होता है, जिसकी जानकारी उपभोक्ता को मिठाई क्रय करते समय होना स्वास्थ्य हित में आवश्यक है। पैकड मिठाईयों में अवसान (दू+शुद्धदूद) तिथि/यूज बाई डेट अंकित किया जाना अनिवार्य है, परन्तु खुली मिठाईयों के सन्दर्भ में कोई अनिवार्य प्राविधान नहीं है। जनपद ज्ञाव में स्थापित समस्त निर्माण एवं विक्रय प्रतिष्ठानों के खाद्य कारोबारकर्ताओं से अपील है कि दिनांक १५/१०/२०२६ से विख्या हेतु प्रदर्शित एवं भण्डारित मिठाई के सम्बन्ध में यूज बाई डेट प्रदर्शित किया जाना अनिवार्य है।

संवाददाता
 अजय। जिला महिला अस्पताल में परिवार नियोजन की गुणवत्ता पूर्ण सेवाओं की पहुँच को बढ़ाने के लिए स्वास्थ्य विभाग के मार्गदर्शन में पात्र लाभार्थियों को परिवार नियोजन की विधा वार सेवाएँ एवं परामर्श उपलब्ध कराने हेतु विशेष नियत सेवा दिवस का सफल आयोजन किया गया।
 समस्त नगरीय आशा कार्यकर्ता द्वारा पूर्व में चिह्नित किए गए लाभार्थियों को सेवा दिवस में ला कर उनकी जरूरत के अनुसार परामर्श के उपरान्त परिवार नियोजन की सेवाएँ उपलब्ध कराई गईं। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ अरविंद आनंद ने बताया कि परिवार नियोजन सेवाओं का लाभ समुदाय में सही से पहुँचे यह हम सभी की जिम्मेदारी है। नियत सेवा दिवस का आयोजन प्रभावी चिकित्साधिकारी डॉ तैसीफ हसन के निदेशन में किया गया। सेवा दिवस को सफल बनाने में परिवार नियोजन परामर्शदाता सुश्री पूजा सिंह, फार्मासिस्ट आशा एवं समस्त स्टाफ का सहयोग रहा।

**महिला थाना प्रभारी ने जरी-जरदोजी
केंद्र में आयोजित बहू-बेटी सम्मेलन में
महिलाओं को किया जागरूक**



संवाददाता

ऊना। पुलिस अस्थायी के कुशल निदेशनों में महिला थाना पुलिस द्वारा सिविल लाइन स्थित जरी-जरदोजी केंद्र में बहु-बेटी सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही 300 से अधिक महिलाओं ने प्रतिभाग किया। महिला थाना प्रभारी निरीक्षक रेखा सिंह ने महिलाओं को मिशन शक्ति के उद्देश्यों की जानकारी देते हुए आपसी प्रेम, सौहार्द एवं भाईचारे के साथ रहने का संदेश दिया। उन्होंने महिलाओं को शासन द्वारा संचालित विभिन्न महिला हेल्पलाइन नंबरों की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की समस्या अथवा उड़ीझ की स्थिति में तेरा कक्षा संबंधित हेल्पलाइन अथवा पुलिस को सूचना दें। कार्यक्रम के दौरान केंद्र की अध्यक्ष जहीरा के साथ महिलाओं के स्वागतबन एवं आत्मनिर्भरता को लेकर चर्चा की गई। आधुनिक मशीनों के माध्यम से जरी-जरदोजी का कार्य सीखकर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने की दिशा में प्रयासरत महिलाओं का उत्साहवर्धन किया गया। महिला थाना प्रभारी ने ऐसी महिलाओं को हससंबंध सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में डॉ. आशीष श्रीवास्तव, प्रभारी परिवार परामर्श केंद्र समिति तथा महिला आरक्षी पूजा चौधरी एवं पूजा देवी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन डॉ. आशीष श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

अधिवक्ता परिषद अवध इकाई द्वारा

स्वाध्याय मंडल का किया गया आयोजन

संवाददाता

ऊनाव । अधिवक्ता परिषद अवध ऊनाव इकाई द्वारा स्वास्थ्याय मंडल का आयोजन किया गया । विषय- किशोर न्याय अधिनियम रहा । मुख्य वक्ता बाल कल्याण समिति के सदस्य वरिष्ठ अधिवक्ता श्री मान सुरेश कुमार द्विवेदी रहे । श्री द्विवेदी ने बाल अपराध उनके विधिक उपचार के बारे में बताया । सत्र दौरान उपस्थित युवा अधिवक्ताओं ने किशोर न्याय बोर्ड और पॉक्सो से संबंधित जानकारी श्री द्विवेदी से ले ली । कार्यक्रम में युवा और वरिष्ठ अधिवक्ता गण उपस्थित रहे । कार्यक्रम का संचालन महामंत्री अनिरुद्ध जी ने किया और अध्यक्षता मनीष जी ने किया ।

राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षक व शिक्षक संघ अध्यक्ष डा रामबिलासभारती के शवयात्रा में उमड़ा जनसैलाब



संवाददाता

घोसी।मऊ।शिक्षा और समाजसेवा के क्षेत्र में अपनी अमिट छाप छोड़ने वाले मुदुभाषी प्रसिद्ध समाजसेवी, शिक्षक डॉ. रामबिलास भारती का शव दिल्ली से उनके पैतृक निवास माछिल जमीन माछिल पहुंचने पर उनके अंतिम दर्शन के लिए जनसैलाब उमड़ पड़ा। पत्नी के साथ परिजनों के करुण क्रंदन से हर किसी की आंखें नम हो गईं। सड़क से लेकर उनके घर तक लोगों का हुजूम दिखाई दे रहा था। गांव से लेकर दोहरीघाट मुक्तिधाम तक हजारों लोग साथ रहे। रास्ते भर लोग जबतक सूरज



लगा देते थे। अपने पैसों से जुनियर हाइस्कूल धरौली विद्यालय को नई पहचान देने के साथ एक समृद्ध लाइब्रेरी की स्थापना करने के साथ प्रतिवर्ष अपने माता पिता की जयंती मनाने के साथ जरूरतमन्द लोगों की सहायता करते थे। शिक्षा के क्षेत्र में उनके इस अभूतपूर्व और उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें राज्यपाल और मुख्यमंत्री द्वारा राज्य स्तरीय पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका था। डॉ रामबिलास भारती की लोकप्रियता का आलम यह था कि

उनके पार्थिव शरीर के गांव पहुंचने से पूर्व से ही लोगों का अंतिम दर्शन करने को लेकर ताता लगा रहा, जो शवयात्रा तक जारी रहा। श्रद्धासुप्तन अर्पित करने वालों में पूर्व ब्लॉक प्रमुख डा सुजीत सिंह,बसपा मधुबन प्रभारी भरतभैया,घोसी प्रभारी अजय जायसवाल, बीएसपी पूर्व अध्यक्ष राजेशराजू,घोसी प्रभारी राजेश प्रधान,भाजपा पूर्व क्षेत्रीय महामंत्री सुनील गुप्ता,सुभा सपा के प्रदेशउपाध्यक्ष फागुसिंह,घोसी चेयरमैन मुनागुप्ता, पूर्वचेयरमैन चुनू खान,बसपानेता सुरेंद्रराजभर,आलोक

रंजन,देवेन्द्रकुमार,सतीशकुमार,डैईओ धर्मेन्द्र कुमार, शिक्षकसंघ जिलाध्यक्ष कृष्णानन्दराय,प्रधानाचार्य डा संजयकुमार,पूर्व डीआईओएस शिवचंद्र राम,ग्राएफ जिलामहामंत्री अशोकश्रीवास्तव,तहसीलअध्यक्ष अरविन्दराय,शिक्षक सुदर्शनकुमार, रिजवानअहमद,अधिवका सतीशकुमारपाण्डेय,बसपानेता फैज आलम, शिक्षक मुखारमयादव आदि के साथ बड़ी संख्या में विभिन्न राजनीतिक दलों के पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं के साथ क्षेत्र के लोग उपस्थित रहे।

नेहरू इंटरमीडिएट कॉलेज, रतनपुरा का विशाल मैदान जलमग्न,छात्रों व खिलाड़ियों की बढ़ी परेशानी



संवाददाता

रतनपुरा(मऊ)। पिछले दिनों लगातार हुई बारिश के बाद नेहरू इंटरमीडिएट कॉलेज, रतनपुरा का विशाल खेल मैदान पूरी तरह जलमग्न हो गया है।

मण्डी आदी जगह जल जमाव है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कुछ महीने पहले जिला पंचायत द्वारा कराए गए नाले के निर्माण में तकनीकी खामियां छोड़ दी गईं। पुलिया के नीचे से जल निकासी की व्यवस्था बाधित हो गई, जिससे बरसात का पानी मैदान में जमा हो रहा है। लोगों का कहना है कि अधिकारियों और संबंधित कर्मचारियों की लापरवाही का खामियाजा आज हजारों छात्र-छात्राओं और पूरे क्षेत्र की जनता भुगत रही है।यह मैदान केवल विद्यालय का खेल परिसर नहीं, बल्कि रतनपुरा एवं आसपास के कई गांवों के युवाओं के लिए खेल गतिविधियों का प्रमुख केंद्र है। यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग मॉर्निंग वॉक और व्यायाम के लिए भी आते हैं। जलभराव के कारण खेलकूद

पूरी तरह प्रभावित हो गया है और आवागमन भी मुश्किल हो गया है। हैपनी की बात यह है कि हर वर्ष यह समस्या और गंभीर होती जा रही है, लेकिन अब तक न तो स्थायी जल निकासी की व्यवस्था की गई और न ही जिम्मेदार विभाग ने कोई प्रभावी कदम उठाया। इतना बड़ा जनहित का मुद्दा होने के बावजूद अधिकांश मीडिया माध्यमों में इसे अपेक्षित स्थान नहीं मिल रहा है।क्षेत्रवासियों ने जिलाधिकारी मऊ, जिला पंचायत तथा संबंधित विभागों से मांग की है कि मामले की तत्काल जांच कराकर पुलिया और नाली की तकनीकी खामियों को दूर किया जाए तथा स्थायी जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि छात्र-छात्राओं, खिलाड़ियों और आम नागरिकों को इस समस्या से स्थायी राहत मिल

विधायक रामविलास चौहान ने चलाया तूफानी जनसंपर्क अभियान, शोक संतप्त परिवारों से मिले

संवाददाता

मधुबन (मऊ)। मधुबन विधानसभा क्षेत्र के विधायक रामविलास चौहान ने मंगलवार को क्षेत्र में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने दोहरीघाट और महमूद सराय में शोक संतप्त परिवारों के घर पहुंचकर परिजनों से मुलाकात की और उन्हें ढाढस बंधाया। वहीं मर्यादपुर क्षेत्र के लखनौर और उतराई गांव में चौपाल लगाकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया तथा केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।विधायक सबसे पहले दोहरीघाट पहुंचे। यहां डॉ. घुरभारी चौहान के परिवार में बेटे और पोते की मौत की जानकारी पर उनके आवास पहुंचे और शोककुल परिजनों से मिलकर गहरी संवेदना व्यक्त की।



उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में वह परिवार के साथ खड़े हैं। इसके बाद उन्होंने दोहरीघाट में एक मंडईशिया परिवार के घर पहुंचकर हाल ही में हुई परिजन की मृत्यु पर शोक संवेदना व्यक्त की। महमूद सराय में भी विधायक ने एक शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर हर्संभव सहयोग का भरसा दिलाया।लखनौर और उतराई में चौपाल लगाकर योजनाओं की दी जानकारी शोक संवेदना के बाद विधायक मर्यादपुर क्षेत्र के लखनौर और उतराई गांव पहुंचे। यहां आयोजित चौपाल में उन्होंने सैकड़ों

ग्रामीणों से संवाद किया। विधायक ने प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुषमान भारत, किसान सम्मान निधि, वृद्धा-विधवा पेंशन, कन्या सुमंगला योजना, हर घर नल से जल और मुफ्त राशन सहित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी।उन्होंने कहा कि सरकार पात्र लोगों तक बिना भेदभाव के योजनाओं का लाभ पहुंचाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि पात्र होने के बावजूद किसी को योजना का लाभ नहीं मिल रहा है तो वह उनसे या

भाजपा कार्यकर्ताओं से संपर्क करें। चौपाल में ग्रामीणों ने सड़क, बिजली, पानी और नाली से जुड़ी समस्याएं भी रखीं, जिस पर विधायक ने संबंधित अधिकारियों से फोन पर वार्ता कर समस्याओं के शीघ्र निस्तारण का निर्देश दिया।कार्यकर्ताओं में दिखा उत्साह जनसंपर्क अभियान के दौरान भाजपा नेता शिवानंद मल्ल, गुड्डु दुबे, राजीव चौहान, सत्री मल्ल, विनोद चौहान सहित तमाम कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे। विभिन्न स्थानों पर ग्रामीणों और कार्यकर्ताओं ने विधायक का फूल-मालाओं से स्वागत किया।विधायक रामविलास चौहान ने कहा कि जनता के सुख-दुख में साथ खड़ा रहना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि वह जनप्रतिनिधि के साथ-साथ जनता के सेवक के रूप में क्षेत्र में लगातार लोगों के बीच रहकर उनकी समस्याओं के समाधान का

स्वच्छता ही सेवा एवं सेवा संकल्प अभियान के तहत विकास भवन में हुआ श्रमदान



मऊ।स्वच्छता ही सेवा अभियान एवं सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विकास भवन परिसर में विशेष स्वच्छता एवं श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मुख्य विकास अधिकारी विवेक कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में तथा जिला विकास अधिकारी सुभाष चंद्र सरोज के नेतृत्व में किया गया।इस दौरान अधिकारियों एवं

कर्मचारियों ने लगभग 40 मिनट तक श्रमदान कर विकास भवन परिसर की साफ-सफाई की। अभियान में विभिन्न विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं अन्य कार्मिकों सहित काफ़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी सुभाष चंद्र सरोज ने कहा कि स्वच्छता केवल किसी अभियान या विशेष दिवस तक

सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसे दैनिक जीवन की आदत बनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता ही सेवा एवं सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य जनभागीदारी के माध्यम से स्वच्छता के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करना है। प्रत्येक व्यक्ति अपने घर, कार्यालय और आसपास के सार्वजनिक स्थलों की

स्वच्छता के प्रति सजग रहे, तभी स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज का निर्माण संभव है। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपील की कि स्वच्छता के इस संकल्प को निरंतर आगे बढ़ाते हुए अपने कार्यस्थल एवं आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ रखने में सक्रिय योगदान दें। कार्यक्रम में शामिल सभी प्रतिभागियों ने स्वच्छता को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की जिला स्तरीय समिति की बैठक संपन्न

मऊ।जिलाधिकारी के निर्देशानुसार आज विकास भवन स्थित सभागार में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की जिला स्तरीय समिति की बैठक मुख्य विकास अधिकारी विवेक कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में जनपद में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने, मिलावटखोरी पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा खाद्य एवं औषधि संबंधी

प्रतिष्ठानों की नियमित जांच के संबंध में विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिए कि जनपद में संचालित सभी कोल्ड स्टोरेज का खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के अंतर्गत खाद्य लाइसेंस अनिवार्य रूप से आच्छादित कराया जाए। इसके लिए जिला उद्यान अधिकारी एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की संयुक्त

टीम गठित कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने जनपद में केला एवं सेब पर स्टिकर लगाए जाने की रोकथाम तथा गुणवत्ता की जांच के लिए मंडी सचिव एवं खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के मध्य समन्वय स्थापित कर विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। साथ ही तहसील एवं ब्लॉक स्तर पर औषधि

निरीक्षक तथा खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा मैट्रिकल स्टोर्स को निरंतर निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। आगामी त्योहारी सीजन को देखते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने मिलावटखोरी के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को निरंतर विशेष अभियान चलाने तथा खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच करते हुए

कस्तूरबा विद्यालय में बालिकाओं को अधिकार और सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

मऊ। सेवा संकल्प अभियान के तहत महिला कल्याण विभाग की हब फॉर इंपॉवरमेंट ऑफ वूमन टीम की ओर से कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, सरायसदी-बड़राव में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत हुआ। इस दौरान बालिकाओं की रचनात्मकता और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए पेंटिंग, स्लोमन और रंगोली प्रतियोगिताएं कराई गईं। बालिकाओं ने उदाहार के साथ प्रतिभाग किया। प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को महिला कल्याण विभाग की ओर से पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा, शिक्षा तथा महिला एवं बालिका कल्याण से जुड़ी सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। किसी भी समस्या

उत्तर प्रदेश गौ सेवा आयोग द्वारा भानु प्रकाश पांडेय को जनपद स्तरीय गो संरक्षण समिति में सदस्य के रूप में नामित

संवाददाता मऊ।उत्तर प्रदेश गौ सेवा आयोग द्वारा जनपद स्तरीय गो संरक्षण समिति, मऊ में भानु प्रकाश पांडेय पुत्र पुरेश दत्त पांडेय को सदस्य के रूप में नामित किया गया है। इस संबंध में मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. सी.पी. सिंह कुशवाहा ने बताया कि उत्तर प्रदेश गौ सेवा आयोग द्वारा जारी नामांकन के क्रम में भानु प्रकाश पांडेय को जनपद स्तरीय गो संरक्षण समिति में सदस्य नामित किया गया है। समिति के माध्यम से जनपद में गोवंश के संरक्षण एवं संवर्धन से संबंधित कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने में सहयोग मिलेगा।उन्होंने बताया कि भानु प्रकाश पांडेय मूल रूप से ग्राम एवं पोस्ट दुमराव, जनपद मऊ के निवासी हैं।

गैर इरादतन हत्या के प्रयास में आरोपी की जमानत खारिज

संवाददाता मऊ।जिला एवं सत्र न्यायाधीश संजय कुमार यादव ने गैर इरादतन हत्या के प्रयास के मामले में आरोपी की जमानत अर्जी खारिज कर दिया। जिला जज ने यह आदेश बचाव पक्ष और डीजीसी फौजदारी अजय कुमार सिंह के तर्कों को सुनने तथा केस डायरी का अवलोकन करने के बाद पारित किया। मामला कोतवाली घोसी क्षेत्र का है। अभियोजन के अनुसार भैरोपुर गांव निवासी हविराम पटेल की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज हुई। वादी का कथन है कि 24 जुलाई 2026 की रात्रि 10 बजे उसी खानदान के आरोपीगण आपस में लड़ रहे थे लड़ाई झगड़ा सुनकर ने वादी के भाई बलिराम पटेल लड़ाई छुड़वाने गए तो आरोपीगण ने लाठी डंडा से मारपीट कर गंभीर चोट पहुंचाकर घायलकर दिया दिनांक 25 जुलाई को इलाज के दौरान मृत्यु ही गई।मामले में आरोपी भैरोपुर गांव निवासी बलबीर उर्फ डब्लू पुत्र सुभाष पटेल की ओर से जमानत के लिए अर्जी दी गई। जिसे सुनवाई के खारिज कर दिया।

रेलवे स्टेशन परिसर में बाइक की टक्कर से टिकट चेकिंग स्टाफ घायल

मऊ। कोतवाली क्षेत्र स्थित रेलवे स्टेशन परिसर में बीते 20 सितंबर की शाम बाइक की टक्कर से रेलवे कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में उनके बाएं पैर की दोनो हड्डियां टूट गईं। घायल का उपचार वाराणसी के एक निजी अस्पताल में चल रहा है। दर्ज मुकदमे के अनुसार, शहादतपुरा निवासी अजय कुमार सिंह रेलवे स्टेशन मऊ से इट्टी समाप्त कर स्कूटी से घर जा रहे थे। इसी दौरान शाम करीब पांच बजे के करीब एक बाइक सवार ने उनकी स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में अजय कुमार सिंह के बाएं पैर में गंभीर चोट आई और वह बेहोश हो गए। घायल को प्रकाश ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें वाराणसी के रेफर कर दिया, जहां उनका उपचार जारी है। घटना के संबंध में कोतवाली पुलिस ने अज्ञात बाइक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

**एफएलसी के लिए ईवीएम वेयरहाउस
प्रोटोकॉल के तहत खोला और बंद किया गया**

खतरा भी जाता है। ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से मौक़े की ज़रूरत करार सड़क की वास्तविक स्थिति का जायजा लेने और आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी बहराच तथा खंड विकास अधिकारी को मिर्हीपुरवा से मांग की है कि मौरैवा मजरे की करीब 250 मीटर सड़क का शीघ्र निर्माण कराया जाए तथा जुल निकासी की भी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही समस्या का समाधान नहीं किया गया तो वे सामूहिक रूप से ब्लॉक मुख्यालय पहुंचकर धरना-प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

अधिकारों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से इस प्रकार के आयोजन अंग्रेजी में किए जाएंगे। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए रविकांत वर्मा एवं उनकी पूरी टीम को उपस्थित लोगों ने बधाई दी। आमसभा के दौरान महिला शिक्षक, एकता, आत्मनिर्भरता और सामूहिक प्रयास को क्षेत्र के विकास का महत्वपूर्ण आधार बताया गया।

प्रयास किया गया। परामर्श केन्द्र की टीम ने दोनें पक्षों को पावरिक्वायरमेंट्स रिस्को की अहमियत, आपसी विश्वास, संवाद, जिम्मेदारियों तथा धरौलू जीवन-मं सहयोग की आवश्यकता के बारे में समझाया। टीम की समझाइश और लगातार किए गए प्रयासों के बाद दोनें पक्षों के बीच आपसी समझति बन गई। दोनें परिवारों ने भविष्य में विवाद को बढ़ावा न देने, एक-दूसरे के साथ लड़ाई-झगडा न करने तथा पावरिक्वायरमेंट्स रिस्को को मिल-जुलकर निभाने पर सहमति जताई। साथ ही

लैंगल एंड डिफेंस काउंसिल रिस्परिच
पाठक ने छात्रों को पॉक्सो के अंतर्गत
अनिधिनियम-2012 के प्रमुख
प्रावधानों से अवगत कराते हुए बताया
कि कानून बच्चों को लैंगल अपराधों
से सुरक्षा प्रदान करता है। उन्होंने कहा
कि किसी भी छात्र के साथ छेड़छाड़,
अनुचित व्यवहार या अन्य
अपचितजनक घटना होने पर उसे
नहीं रहना चाहिए, बल्कि तत्काल
अभिभावक, शिक्षक अथवा किसी
भरोसेमंद व्यक्ति को जानकारी देनी
चाहिए। प्राधिकरण के सचिव विनोद
कुमार यादव ने कहा कि बच्चों को

बहराइच ब्यूरो 29 सितंबर। जिला निर्वाचन कार्यालय, बहराइच स्थित ईवीएम वेयरहाउस को प्रथम स्तरीय जांच (एफएलसी) के प्रयोजन हेतु आयोग द्वारा निर्धारित प्रोटोकाल के अनुसार वीडियोग्राफ के बीच खोला एवं जांच प्रक्रिया के बाद पुनः बंद किया गया। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने बताया कि निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में निर्वाचन में प्रयुक्त होने वाली ईवीएम एवं वीवीपैट की एफएलसी प्रक्रिया निर्धारित नियमों एवं सुरक्षा मानकों के अनुरूप कराई जा रही है। इसी क्रम में ईवीएम वेयरहाउस को अधिकृत प्रक्रिया के तहत खोला गया तथा पूरी कार्रवाई की वीडियोग्राफ की कराई गई। वेयरहाउस खोलने और बंद करने की प्रक्रिया के दौरान राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। इनमें समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष प्रताप श्रवण व उपाध्यक्ष जफरखुद्द खां, भारतीय जनता पार्टी के प्रशासनिक प्रमुख श्रवण कुमार शुक्ल, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के महासचिव हमना शर्मा, अपना दल (एस) के राज बहादुर, आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष पिरोज हैदर, बहुजन समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष अजय कुमार गौतम, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के शिवेन्द्र प्रताप सिंह व दुलारे, आम आदमी पार्टी के अनुज कुमार पाठक तथा समाजवादी पार्टी के शैलेश सिंह 'शैलू' शामिल रहे। निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं ईवीएम की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वेयरहाउस से संबंधित प्रत्येक प्रक्रिया आयोग द्वारा निर्धारित प्रोटोकाल के अनुसार संपन्न कराई जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि एफएलसी के दौरान ईवीएम एवं वीवीपैट की तकनीकी जांच और परीक्षण अधिकृत प्रक्रिया के तहत किया जाएगा, ताकि निर्वाचन के समय मशीनों की कार्यशीलता सुनिश्चित रहे। वीडियोग्राफ की राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में वेयरहाउस खोले और बंद किए जाने से निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के साथ-साथ सभी संबंधित पक्षों को प्रक्रिया से अवगत कराने का प्रयास किया गया।

बाद प्रभावित गांवों में राहत एवं बचाव कार्यों को लेकर प्रशासन सक्रिय है। मंगलवार को एसडीएम मिर्हीपुरवा मोनालिखा जौहरी ने सुजौली और जंगल गुलरिहा गांवों में पहुंचकर बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया तथा प्रभावित परिवारों से सीधे संपर्क कर उनकी समस्याएं और आवश्यकताएं जानीं। इस दौरान प्रशासन की ओर से संचालित कान्युनिटी किचन वे माध्यम से बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए पका हुआ भोजन उपलब्ध कराया गया। दोनों गांवों में करीब 2500 पैकेट पका एवं शुद्ध भोजन तैयार कर प्रभावित परिवारों तक पहुंचाया गया। एसडीएम ने स्वयं मौके पर पहुंचकर भोजन वितरण की व्यवस्था का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि कोई भी जरूरतमंद परिवार भोजन से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि आपदा की इस घड़ी में प्रशासन की प्रथमिकता बाढ़ प्रभावित परिवारों तक समय से राहत पहुंचाना है। प्रभावित क्षेत्रों में भोजन के साथ ही अन्य आवश्यक राहत सामग्री की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जा रही है। लगातार बारिश के बीच एसडीएम मोनालिखा जौहरी को सक्रियता से राहत कार्यों की निगरानी जमीनी स्तर पर की जा रही है। वह स्वयं प्रभावित गांवों में पहुंचकर हालात का जायजा लेने के साथ लोगों से उनकी समस्याएं छुड़ रही हैं और आवश्यकता के अनुसार मौके पर ही अधिकारियों को राहत उपलब्ध कराने के निर्देश दे रही हैं। कान्युनिटी किचन के जरिए बड़ी संख्या में भोजन के पैकेट वितरित किए जाने से बाढ़ प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत मिली है।

प्रशासन की ओर से संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में भोजन, राहत सामग्री तथा अन्य जरूरी सुविधाओं की उपलब्धता लगातार बनाए रखी जाए और जरूरतमंद लोगों तक सहायता समय से पहुंचाई जाए।

[illegible]

संस्करण, एवं प्रकाशक देवेन श्याम द्वारा राम प्रिंटिंग प्रेस, न्यू यादव बाजार इटौली काकोरी, लखनऊ से मुद्रित करवाकर कार्यालय एच०आई०जी०-ए10/2, टिकैत राय, एल०डी०ए कालोनी, राजाजीपुरम् लखनऊ-17 से प्रकाशित । सम्पादक: अवंतिका देवेन श्याम मो०नं०-9580629657 **Email-yugsrishti02gmail.com, <https://yugsrishti.com/>**
info@yugsrishti.com , पी.आर.बी. एक्ट के तहत इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय मान्य ।



रणबीर कपूर की रामायण की बदली रिलीज डेट, अब 6 नवंबर के बजाय 5 नवंबर को होगी रिलीज!

रणबीर कपूर की बहुप्रतीक्षित फिल्म रामायण- पार्ट 1’ को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता लगातार बढ़ रही है। फिल्म के पोस्टर के बाद इसका टीजर और ट्रेलर भी जारी किया जा चुका है। फिल्म दिवाली के अवसर पर सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। इसी बीच फिल्म की रिलीज तारीख में बदलाव की खबर सामने आई है। हालांकि, निर्माताओं की ओर से अभी तक नई तारीख की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

अब तक सामने आई जानकारी के अनुसार, %रामायण- पार्ट 1’ को 6 नवंबर को रिलीज किया जाना था। हालांकि, सूत्रों के हवाले से दावा किया जा रहा है कि निर्माता अब फिल्म को एक दिन पहले यानी 5 नवंबर को सिनेमाघरों में उतारने की तैयारी कर रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, निर्माताओं ने 5 नवंबर की तारीख तय कर ली है और फिल्म को दुनियाभर में एक ही दिन



प्रदर्शित करने की योजना बनाई जा रही है। नई रिलीज तारीख को लेकर संबंधित पक्षों की मंजूरी की प्रक्रिया चल रही है। अंतिम स्वीकृति मिलने के बाद निर्माता आधिकारिक तौर पर तारीख की घोषणा कर सकते हैं।

फिल्महाल फिल्म की रिलीज तारीख में बदलाव को लेकर निर्माताओं की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई

है।

फिल्म की रिलीज तारीख नजदीक आने के साथ ही इसके प्रचार अभियान को भी तेज कर दिया गया है। हाल ही में फिल्म के पोस्टर का भव्य स्तर पर अनावरण किया गया। पहले पोस्टर में राम, सीता और लक्ष्मण के किरदारों की झलक दिखाई गई, जबकि दूसरे पोस्टर में रावण के रूप में यश का लुक सामने

आया।

फिल्म के प्रचार अभियान के बीच दर्शकों की नजर अब इस बात पर है कि %रामायण- पार्ट 1’ आखिर किस तारीख को सिनेमाघरों में पहुंचेगी। निवेश तिथारी के निर्देशन में बनी %रामायण-पार्ट 1’ का निर्माण नमित मल्लोत्रा ने किया है। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका में नजर

आएंगे, जबकि साई पल्लवी मां सीता का किरदार निभा रही हैं। रवि दुबे लक्ष्मण और सनी देओल हनुमान की भूमिका में दिखाई देंगे।

वहीं, यश रावण की भूमिका निभा रहे हैं। अरुण गोविल राजा दशरथ के किरदार में नजर आएंगे। रकुलप्रीत सिंह शूर्पणखा और लारा दत्ता कैकेयी की भूमिका निभा रही हैं।

फिल्म के प्रचार सामग्री और ट्रेलर में प्रमुख किरदारों की झलक सामने आ चुकी है। हालांकि, हनुमान के किरदार का पूरा रूप अभी तक आधिकारिक तौर पर सामने नहीं आया है। %रामायण’ को दो भागों में रिलीज किया जाएगा। इसका पहला भाग इस वर्ष दिवाली के अवसर पर सिनेमाघरों में प्रदर्शित किया जाना है, जबकि दूसरा भाग अगले वर्ष दिवाली के मौके पर रिलीज करने की योजना है। अब दर्शकों की नजर फिल्म की आधिकारिक रिलीज तारीख की घोषणा पर टिकी है। यदि नई तारीख

नानी की फिल्म द पैराडाइज़ ने बॉक्स ऑफिस पर मचाया धमाल, वर्ल्डवाइड 150 करोड़ का आंकड़ा किया पार



अधिक का कारोबार कर लिया है। इसे नानी के करियर की एक और उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

अब फिल्म के सामने सबसे बड़ी चुनौती छुट्टियों समाप्त होने के बाद सिनेमाघरों में कमाई 330 करोड़ रुपये के आंकड़े के मुताबिक, चार दिनों में तेलंगाना से 70 करोड़ रुपये, आंध्र प्रदेश से 32 करोड़ रुपये, देश के अन्य हिस्सों से 22 करोड़ रुपये और विदेशों से 31 करोड़ रुपये की कमाई हुई। इस तरह फिल्म का कुल वैश्विक सकल कारोबार 155 करोड़ रुपये बताया गया है।

विदेशी बाजार में भी %द पैराडाइज़’ ने अच्छा प्रदर्शन किया है। फिल्म ने उत्तरी अमेरिका में दो मिलियन डॉलर से

हॉशिएर पर रहने वाले एक समुदाय के संघर्षों को केंद्र में रखा गया है।

फिल्म में जबरदस्त कार्रवाई दृश्यों के साथ पारिवारिक भावनाओं और सामाजिक मुद्दों को भी कहानी का हिस्सा बनाया गया है। नानी के साथ कयाद लोहार, मोहन बाबू, सोनाली कुलकर्णी, रावव जुयाल और प्रियदर्शी समेत कई कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

%द पैराडाइज़’ का निर्माण एसएलवी सिनेमाज के बैनर तले सुधाकर चेरुकुरी ने किया है। फिल्म का संगीत अनिरुद्ध रविचंद्र ने तैयार किया है, जबकि छायांकन सी.एच. साई ने किया है। संपादन की जिम्मेदारी नवीन नूली ने

हनुमान अंश बॉक्स ऑफिस- वर्ल्डवाइड 400 करोड़ का आंकड़ा पार, शाहरुख, अमिर और ऋतिक की फिल्म को चटाई धूल

हनुमान अंश इंडियन बॉक्स ऑफिस पर अपना नाम दर्ज करवा चुकी है। फिल्म अपनी रिलीज के शानदार 52 दिन पूरे कर चुकी है और अभी भी बॉक्स ऑफिस पर करोड़ रुपये की फिकार में कमाई कर रही है. 52वें दिन फिल्म की कमाई में लगभग 50 फीसदी का उछाल आया और फिल्म ने भारत में 300 करोड़ रुपये और वर्ल्डवाइड 400 करोड़ रुपये का आंकड़ा आसानी से पार कर लिया.

महज 2 करोड़ रुपये के अनुमानित बजट में बनी फिल्म हनुमान अंश ने कमाई से इतिहास रच डाला है. यह फिल्म टॉप 50 सबसे अधिक कमाई करने वाली भारतीय फिल्मों की लिस्ट में भी शामिल हो गई. फिल्म अपने शानदार सात हफ्ते पूरे कर चुकी है. वर्ल्डवाइड 400 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर कई बड़ी फिल्मों को भी पीछे छोड़ दिया है. चलिए एक नजर डालते हैं हनुमान अंश की अब तक की कमाई पर. हनुमान अंश ने शुरुआत में कोई खास कमाल नहीं दिखाया. महज 10 लाख रुपये से ओपनिंग की और आज 52वें दिन फिल्म ने लगभग 10 करोड़ रुपये का बिजनेस किया. फिल्म की शुरुआत धीमी रही और पहले दो हफ्तों में तो इसे लगभग

फर्लॉप मान लिया गया था. फिल्म पहले दो हफ्तों में मुश्किल से 1.50 करोड़ रुपये ही कमा पाई. हालांकि, इसके बाद दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिली और टिकटों की बिक्री में तेजी से उछाल आया. चौथे हफ्ते से हनुमान अंश हर हफ्ते भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 60 करोड़ रुपये से अधिक का प्रॉफिट कमा रही है.

इस फिल्म ने वीकेंड में 18.95 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट कमाया, जिसमें अकेले रविवार को 9 करोड़ रुपये की शानदार कमाई शामिल है. इसके साथ ही फिल्म की कुल घरेलू कमाई 52 दिनों के बाद 307 करोड़ रुपये (ग्रॉस कलेक्शन 362 करोड़ रुपये) हो गई है. रविवार को हनुमान अंश ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया, जो इससे पहले 25 से भी कम हिंदी फिल्मों ने यह कारनामा किया.

विदेशों में हनुमान अंश की रिलीज बाद में हुई. भारत में रिलीज होने के लगभग छह सप्ताह बाद इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रिलीज किया गया, लेकिन तब से इसने रफ्तार पकड़ ली है. सोमवार तक, इसने ओवरसीज में 4 मिलियन डॉलर से

अधिक की कमाई कर ली है. इससे फिल्म का कुल वर्ल्डवाइड कलेक्शन 402 करोड़ रुपये हो गया है.

हनुमान अंश ने बीते रविवार (52वें दिन) कृष 3 (? 393 करोड़) और चेंबरडै एक्सप्रेस (? 392 करोड़) को पीछे छोड़ते हुए 7400 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया. इसके बाद, इसने 3 इंडियट्स (? 400 करोड़) और कांतारा (? 401 करोड़) का लाइफटाइम कलेक्शन को भी पीछे छोड़ दिया. अपनी इस रफ्तार को देखते हुए, हनुमान अंश 7450 करोड़ का आंकड़ा भी पार कर सकती है और हैप्पी न्यू ईयर, विक्रम और अंधाधुन जैसी अन्य हिट फिल्मों को भी पीछे छोड़ सकती है.

विशाल चतुर्वेदी द्वारा लिखित और निर्देशित फिल्म हनुमान अंश, लक्ष्मीनारायण नामक एक दुखी युवक की कहानी है, जो अपनी मां की मृत्यु के बाद ईश्वर की खोज में आध्यात्मिक यात्रा पर निकल पड़ता है. जीवन, मृत्यु और मानवीय पीड़ा के रहस्यों को जानने के लिए उत्तर भारत की यात्रा करते हुए, वह आखिर में पूजनीय संत नीम करोली बाबा बन जाता है. फिल्म में शोभिनव सत्या के साथ विहान शेडो, चंदन के आनंद, पूर्णिमा तिवारी, अनिल रस्तोगी, गुलशन पांडे और भगवानदास

पटेल मुख्य भूमिका में हैं.



डायरेक्टर इशिका के काम की दीवानी हुई अदा खान, बोलीं- मैं तो बस देखती ही रह गई



महसूस कर रही थी। काफी समय से मुझे ऐसा कुछ करने का मौका नहीं मिला था। इस शो ने मुझे अलग ही खुशी दी और मुझे इस पर काम करके बहुत मजा आया। अदा खान ने सीरीज में अभिनेता प्रतीक सहजपाल के साथ काम करने को लेकर भी बात की।

उन्होंने माना कि वह खुद इंटीव्यूट हैं और जल्दी दोस्ती नहीं कर पातीं लेकिन प्रतीक ने उन्हें टीम के साथ घुलने-मिलने में मदद की। उन्होंने कहा, प्रतीक ऐसा इंसान है जो खुद ही माहौल को हल्का कर देता है। वह बहुत ही चिल्ल-आउट इंसान है। आप उसके साथ बातें करते रह सकते हैं और मस्ती कर सकते हैं। मुझे लगता है कि वह उन गिने-चुने लोगों में से एक है जिसके साथ मुझे खुलने में ज्यादा समय नहीं लगा।

अभिनेत्री ने बताया कि वह शूट के दौरान निर्देशक इशिका के काम से भी काफी प्रभावित रहीं थीं। उन्होंने कहा, मैं कह सकती हूँ कि मैं उनके काम से बहुत ज्यादा इम्प्रेस थीं, या कहूँ तो मंत्रमुग्ध थीं। पूरे शूट के दौरान मैं बस उनके काम को देखती रह गईं।

इसके साथ ही शो की कहानी के बारे में बात करते हुए अदा ने कहा, हर इंसान में अच्छाई और बुराई दोनों होती हैं। मुझे लगता है कि हर किरदार के पीछे एक साइकोलॉजिकल पहलू होता है। मैं ज्यादा कुछ बताना नहीं चाहती लेकिन हर किरदार में कई परतें हैं और उन्हें एक्सप्लोर करना काफी दिलचस्प रहा।

अदा खान ने बताया कि लिफ्ट जैसी छोटी जगह में सुबह से लेकर पैकअप तक लंबे समय तक साथ रहने से एक्टर्स को बातचीत करने, रिलैक्स करने और बॉन्डिंग करने का खूब मौका मिला, भले ही उनके सीन खत्म हो चुके हों। उन्होंने कहा कि इससे कास्ट के बीच एक बिल्कुल अलग तरह की बॉन्डिंग बनी।

परिणीति चोपड़ा बनेंगी फील्ड रिपोर्टर, रिपोर्टिंग लाइव में खुलेगा रेत माफिया का खतरनाक खेल

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा एक बार फिर डिजिटल माध्यम पर दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। अपराध रोमांचक श्रृंखला %शक’ से डिजिटल दुनिया में कदम रखने वाली परिणीति अब फिल्म %रिपोर्टिंग लाइव’ में नजर आएंगी। फिल्म की ओटीटी प्रदर्शित होने की तारीख का ऐलान कर दिया गया है। इसमें परिणीति एक महिला पत्रकार की भूमिका निभाती दिखाई देंगी।

ध्रुव त्रिपाठी की निर्देशन में बनी %रिपोर्टिंग लाइव’ एक महत्वाकांक्षी युवा पत्रकार की कहानी है। फिल्म के जरिए अवैध रेत खनन की अंधेरी दुनिया को सामने लाने का प्रयास किया गया है। कहानी में निर्दयी रेत माफिया और उससे जुड़े अपराधों के बीच पत्रकार के संघर्ष को प्रमुखता से दिखाया जाएगा। फिल्म की कहानी पत्रकारिता, अपराध और रेत के अवैध कारोबार के इर्द-गिर्द घूमती है। परिणीति का किरदार इस पूरे आपराधिक तंत्र की पड़ताल करते हुए उससे जुड़े सच को सामने लाने की कोशिश करता नजर आएगा।



%रिपोर्टिंग लाइव’ के जारी पोस्टर में परिणीति चोपड़ा के साथ देवेन भोजानी, अमोल पालेकर, गंभीर और खोजी पत्रकार की भूमिका में देखने का मौका मिलेगा। अब दर्शकों की नजर फिल्म को

आदिल हुसैन और शेखर सुमन भी नजर आ रहे हैं। इससे फिल्म में मजबूत सहायक कलाकारों की मौजूदगी का संकेत मिलता है।

फिल्म का निर्माण पाथं किरण ठाकुर और जोशुआ शिरसाथ ने किया है। निर्देशन की जिम्मेदारी ध्रुव त्रिपाठी ने संभाली है। %रिपोर्टिंग लाइव’ का प्रदर्शन 9 अक्टूबर 2026 को नेटफ्लिक्स पर किया जाएगा। डिजिटल मंच पर रिलीज होने वाली इस फिल्म में परिणीति को एक

द वन का ओपनिंग वीकेंड पर गदर, हैवान से पेढ़ी तक साल की 26 फिल्मों की लाइफटाइम कमाई को दी मात

सिद्धार्थ मल्लोत्रा और तमन्ना भाटिया अभिनीत लोक-कथा आधारित रोमांचक फिल्म %द वन- फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट’ सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन कर रही है। अच्छी शुरुआत के बाद फिल्म की कमाई में दूसरे दिन बढ़ोतरी देखने को मिली और रविवार को तीसरे दिन इसके कारोबार में और बड़ा उछाल आया। शुरुआती सप्ताहांत में फिल्म ने कुल 33.25 करोड़ रुपये का शुद्ध कारोबार कर लिया है। %पंचायत’ के लिए मशहूर निर्देशक दीपक कुमार मिश्रा के निर्देशन में बनी यह फिल्म पौराणिक लोककथाओं, काल्पनिक दुनिया, रोमांच, रहस्य और

अलौकिक शक्तियों को एक साथ पेश करती है। फिल्म में बिहार की लोककथाओं और सांस्कृतिक परिवेश की झलक के साथ आस्था के महापर्व छठ को भी प्रमुखता से दिखाया गया है। यही वजह है कि बिहार के साथ दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में भी फिल्म को लेकर दर्शकों में खास उत्साह देखने को मिल रहा है।

फिल्म के कारोबार की बात करें तो %द वन’ ने पहले दिन शुक्रवार को 8 करोड़ रुपये की कमाई के साथ शुरुआत की थी। इसके बाद शनिवार को फिल्म के कारोबार में अच्छी बढ़ोतरी हुई और इसने 11.25 करोड़

रुपये कमाए।

वहीं, सैकनिल्क की शुरुआती रज़ान रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म ने तीसरे दिन यानी रविवार को करीब 14 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इसके साथ ही तीन दिनों में फिल्म की कुल शुद्ध कमाई 33.25 करोड़ रुपये हो गई है। %द वन’ ने शुरुआती सप्ताहांत में ही कई फिल्मों के पूरे सिनेमाघर कारोबार को पीछे छोड़ दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, 33.25 करोड़ रुपये के तीन दिवसीय कारोबार के साथ फिल्म ने 2026 में प्रदर्शित %हैवान’ और %पेढ़ी’ के हिंदी संस्करण समेत करीब 26 फिल्मों के जीवनकाल के

कारोबार को मात दे दी है।

फिल्म की कमाई में लगातार हो रही बढ़ोतरी को इसके प्रति दर्शकों की बढ़ती दिलचस्पी से जोड़कर देखा जा रहा है। शुक्रवार को मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया और शनिवार के बाद रविवार को कारोबार में आई तेजी ने फिल्म के निर्माताओं के लिए उम्मीदें बढ़ा दी हैं।

%द वन’ की कहानी एक समझदार और शहर में पले-बढ़े व्यक्ति के इर्द-गिर्द घूमती है। उसका जीवन उस समय पूरी तरह बदल जाता है, जब वह अपने पुरस्तेनी गांव से जुड़े एक प्रतिबंधित जंगल में पहुंचता है।

केले के छिलके को खाद में बदलने के लिए अपनाएं ये 5 सरल तरीके

आमतौर पर लोग केले के छिलकों को फेंक देते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इनका इस्तेमाल पौधों के लिए प्राकृतिक खाद के रूप में किया जा सकता है? केले के छिलके में पोटेशियम, फास्फोरस और कैल्शियम जैसे जरूरी पोषक तत्व होते हैं, जो पौधों की वृद्धि के लिए फायदेमंद होते हैं। आइए आज हम आपको केले के छिलके को खाद में बदलने के कुछ आसान टिप्स बताते हैं।

केले के छिलकों को सुखाएं
केले के छिलके को खाद में बदलने के लिए सबसे पहले उन्हें सुखाना जरूरी है। इसके लिए केले के छिलकों को धूप में रखकर सुखाएं। इससे उनमें मौजूद नमी खत्म हो जाएगी और वे आसानी से टूटने लगेंगे। सूखे हुए छिलकों को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें, ताकि उन्हें



खाद में मिलाया आसान हो जाए। इस प्रक्रिया से छिलकों में मौजूद पोषक तत्वों को भी बढ़ावा मिलेगा और वे पौधों के लिए अधिक फायदेमंद होंगे।
पानी में उबालें
सूखे हुए केले के टुकड़ों को पानी में उबालना भी एक अच्छा तरीका हो सकता है। इसके लिए सबसे पहले पानी को उबालें और उसमें कटे हुए छिलकों को डाल दें। जब पानी उबलने लगे तो आंच बंद कर दें और मिश्रण को ठंडा होने दें। ठंडा होने के बाद इस पानी को अपने पौधों पर डालें। यह पानी आपके पौधों को पोषण देने में मदद करेगा और उन्हें स्वस्थ बनाए रखेगा।

भूसी बनाना
केले के छिलकों को भूसी बनाना भी

एक अच्छा तरीका हो सकता है। इसके लिए सबसे पहले सूखे हुए छिलकों को मिक्सर में पीस लें, ताकि वह बारीक पाउडर बन जाएं।

इस पाउडर को आप सीधे मिट्टी में मिला सकते हैं या फिर इसे पानी में घोलकर अपने पौधों पर डाल सकते हैं।

इससे आपके पौधों को प्राकृतिक तरीके से पोषण मिलेगा और वे अच्छी तरह से बढ़ भी सकेंगे।

जैविक खाद बनाना
केले के छिलकों से जैविक खाद बनाना भी एक अच्छा विकल्प हो सकता है। इसके लिए सबसे पहले सूखे हुए छिलकों को किसी बर्तन में डालें, फिर उसमें पानी डालकर अच्छी तरह मिश्रण करें।

अब इस मिश्रण को कुछ दिनों तक ढककर रखें, ताकि इसमें छोटे

जीवाणु विकसित हो सकें और यह खाद बन सके।

जब यह मिश्रण काली मिट्टी जैसा दिखने लगे तो आपकी जैविक खाद तैयार हो जाएगी, जिसे आप अपने पौधों की जड़ों में डाल सकते हैं।

प्राकृतिक खाद बनाना
प्राकृतिक खाद बनाने के लिए सबसे पहले सूखे हुए छिलकों को किसी बर्तन में डालें, फिर उसमें गुड़ या चीनी मिलाएं, ताकि छोटे जीवाणु सक्रिय हो सकें।

अब इस मिश्रण को कुछ दिनों तक ढककर रखें, ताकि यह अच्छी तरह से गल सके और खाद तैयार हो जाए। इस प्रकार आप आसानी से अपने घर पर ही केले के छिलके से प्राकृतिक खाद बना सकते हैं, जो आपके पौधों के लिए बहुत फायदेमंद होगी।